हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आज जब हर कोई बेहतर सुविधा की चाह रखता है। बड़े शहरों-राजधानियों में पोस्टिंग की होड़ के बीच बरसों से सुदूर आदिवासी इलाके में जान जोखिम में डालकर भगवान बने कुछ डॉक्टरों की सेवा देखकर गर्व से दिल भर जाता है।

आदिवासियों के देवदूत... डॉक्टर टक्का

जिन्होंने इलाज के लिए पहाड़ जैसी मुसीबतों को भी बौना बना दिया

महेंद्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

डॉक्टर-डे पर विशेष

कभी धुर नक्सली प्रभावित इलाके का पर्याय रहा बस्तर का जगरगुंडा। नक्सल खात्मे के बाद विकास से वंचित दुर्गम इलाके के रूप में जाना जाता है। यहां के कई गांव पहुंचविहीन हैं, जहां पहाड़, नदी-नाले पार करते हुए पैदल ही पहुंचा जा सकता है। ऐसे इलाके में 15 साल से आदिवासियों की अनवरत ▶▶|शेष पेज 8 पर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 15 वर्षों से दे रहे सेवाएं

डॉ. ठाकुर ने बताया कि वे दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 15 वर्षों से टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, मौसमी बीमारी पर नियंत्रण जैसी सेवाएं दे रहे हैं। जगरगुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य ▶▶|शेष पेज 8 पर

स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती

ऐसे गांवों में मलेरिया जैसी बीमारी स्वास्थ्य विभाग के लिए आज भी चुनौती है। मलेरिया की वजह से महिलाओं में एनीमिया एवं बच्चों में कुपोषण बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए ▶▶|शेष पेज 8 पर

पहाड़ लांघकर पहुंच जाते हैं

प्रो गुमड़ी, काकड़ी, कोंडासावली के ग्रामीणों ने बताया कि यह क्षेत्र सर्वाधिक नक्सल प्रभावित एवं सड़क नहीं होने से एम्बूलेंस एवं स्वास्थ्य कर्मी नहीं पहुंच पाते हैं, लेकिन टक्का डॉक्टर बाइक से फिर पैदल नदी पहाड़ लांघकर पहुंच जाते हैं। अंदरूनी इलाकों में आज भी कई क्षेत्रों में पक्की सड़क या पुल न होने के कारण मरीजों को खटिया पर ले जाना पड़ता है। ▶▶|शेष पेज 8 पर

डॉ. भेषज की ऐसी दास्तां, जो डॉक्टरों को 'भगवान' बनाती है

विजय पांडेय ▶▶| कांकेर

हम अक्सर कहते हैं कि डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं, लेकिन इस आधुनिक दौर में जब चिकित्सा एक पेशा बन चुकी है, तब छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का एक दुर्गम कोना 'अंतागढ़' मानवता की एक ऐसी मिसाल पेश करता है, जो गर्व से भर भी देती है। यह कहानी किसी फिल्मी नायक की नहीं, बल्कि हाड़-मांस के उस सच्चे 'मसीहा' की है, जिसने पिछले ▶▶|शेष पेज 8 पर

उफनती नदी और वो जानलेवा रस्सी

बरसात के दिन थे, नदियां उफान पर थीं। अंदरूनी 30-35 गांवों को जोड़ने वाला ईरागांव का लकड़ी का पुल डूब चुका था, लेकिन डॉ. रामटेके को गांवों से आती चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए उफनती नदी में केवल एक रस्सी के सहारे पार होने का फैसला किया। कोयलीबेड़ा के ऐसे ही एक हादसे में तो वे तेज बहाव में बहते-बहते बचे थे, लेकिन उनके हाथ से मरीजों की दवाइयों का थैला और दिल से फर्ज का जज्बा कभी नहीं छूटा।

वो 20 दिन, एक ही पैंट-शर्ट और मौत से सीधी जंग

साल 2005 में मुल्ले गांव में भयानक हैजा (उल्टी-दस्त) फैल गया। 20 से अधिक लोग दम तोड़ चुके थे। डॉ. रामटेके सिर्फ स्थिति का जायजा लेने गए थे, लेकिन जब वहां लाशों के ढेर और तड़पते मरीजों को देखा, तो उनका डॉक्टर का दिल रो पड़ा, वे वापस नहीं लौटे। लगातार 20 दिनों से अधिक समय तक वे एक ही पैंट-शर्ट में चौबीसों घंटे वहीं शिविर लगाकर मरीजों की जान बचाते रहे।

एक लाख की आबादी का इकलौता 'विश्वास'

आज के दौर में जहां हर छोटे शहर में प्राइवेट अस्पतालों की बाढ़ है, आपको यह जानकर हैरत होगी कि अंतागढ़ के इस पूरे एक लाख की आबादी वाले क्षेत्र में आज भी कोई निजी अस्पताल, निजी डॉक्टर या नर्सिंग होम नहीं है। साल 2003 में जहां इस अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी में गिने-चुने लोग आते थे, वहीं आज इस अस्पताल में प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की कतार लगती है। तीन बार डॉक्टर साहब का ट्रांसफर हुआ, लेकिन हर बार जनता का अटूट प्यार और उनका अपना फर्ज उन्हें वापस इसी मिट्टी में खींच लाया। आज यह अस्पताल सिर्फ एक सरकारी इमारत नहीं, बल्कि इस अंचल के आदिवासियों के लिए 'आस्था और विश्वास का मंदिर' बन चुका है।

सफलता का फहराया परचम

स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन सुधार के लिए अंतागढ़ अस्पताल को कायाकल्प पुरस्कार में लगातार 5 वर्षों तक पूरे बस्तर संभाग में प्रथम स्थान मिला। वहीं वर्ष 2025 में इस दुर्गम अस्पताल ने पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹106359/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹129900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹141798/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

रेत कारोबार से जुड़ी रंजिश में तीन भाइयों को जिंदा जला दिया था

ट्रिपल मर्डर की होगी सीबीआई जांच

परिजनों का आरोप- 'बड़े लोगों' का हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुण्ठपुर

कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र के ग्राम नौगई में हुए बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड मामले में राज्य सरकार ने मंगलवार को सीबीआई से जांच कराने की सहमति दे दी है। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से ही परिजन सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे।

जघन्य हत्याकांड के बाद परिजन कर रहे थे सीबीआई जांच की मांग

हरिभूमि फॉलोअप

गौरतलब है कि 16 जून की रात ग्राम नौगई में रेत उत्खनन और कारोबार को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। आरोपियों ने कार में आग लगा दी थी, जिसमें जिंदा जलने से भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह, नागेंद्र सिंह और वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया था। मामले में कोरिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में अक्षत त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी, मन्नू त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी पिता सत्य कुमार त्रिपाठी, मनोज त्रिपाठी पिता राममिलन त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी पिता महेंद्र त्रिपाठी, गौरव त्रिपाठी पिता अंजनी त्रिपाठी, ▶▶|शेष पेज 8 पर

सोनहत थाने में दर्ज है मामला

कोरिया जिले के सोनहत थाना अंतर्गत ग्राम नौगई में हुए तिहरे हत्याकांड मामले में अब तक कुल 12 आरोपी जेल दाखिल करा दिए गए हैं। मामले में प्रार्थी आदित्य सिंह पिता भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह निवासी महलपारा बैकुंठपुर की सूचना पर थाना सोनहत में अपराध क्रमांक 66/2026 के तहत धारा 190, 191(2), 191(3), 109, 324, 103(1), 326(जी) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

तीन मौतों से सोनहत इलाके में दहशत, चार पर केस, चार गिरफ्तार

रेत खनन पर खूनी संघर्ष

भाजपा नेता को दो भाइयों समेत फॉर्च्यूनर में जिंदा जलाया

पीड़ित परिवार की मांग

कोरिया जिले के नौगई तिहरे हत्याकांड मामले में पीड़ित परिवार शुरुआत से ही सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे। परिजन की मांग रही कि घटना में प्रयुक्त वाहनों, हथियारों, ज्वलनशील पदार्थों एवं अन्य साधनों की वैज्ञानिक जांच कर सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने अभियोजन को मजबूत करते हुए मामले का त्वरित निराकरण फास्ट ट्रैक न्यायालय के माध्यम से कराने की पहल की मांग की थी। इसके अलावा अपराध से जुड़ी अवैध गतिविधियों, अवैध संपत्तियों और कारोबार की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई, पीड़ित परिवारों को शासन की नीति के अनुसार आर्थिक सहायता, सुरक्षा और न्यायिक सहयोग उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई थी।

पूर्व सीएम भी पहुंचे थे मिलने

कोरिया जिले के सोनहत ब्लॉक के ग्राम नौगई में हुए बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड मामले में 24 जून को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कोरिया पहुंचे थे। उन्होंने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की थी और सीबीआई जांच की मांग की थी।

परिजन से मिले करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

बहुचर्चित नौगई हत्याकांड में मृतकों के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने 29 जून को करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत बैकुण्ठपुर पहुंचे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर, दिल्ली से संगीता सिंह सहित सहयोगी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने नौगई हत्याकांड को लेकर कहा कि क्षत्रिय किसी से डरते नहीं हैं और अन्याय के खिलाफ लड़ना जानते हैं। हत्याकांड में शामिल आरोपियों का एनकाउंटर की कार्रवाई होनी चाहिए, नहीं तो हम अपनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाया जाए, चाहे आरोपी कोई भी हो। सरकार और प्रशासन को लेकर उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं होती है तो हम इसका विरोध करेंगे और सरकार को इसका जवाब देना होगा।

खबर संक्षेप

जनरल सेठ ने संभाला सेना प्रमुख का पदभार

नई दिल्ली। 12 लाख सैनिकों वाली भारतीय थलसेना को नया सेना प्रमुख मिल गया है। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को सेना के प्रमुख (आर्मी चीफ) का पदभार संभाल लिया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक आधिकारिक समारोह में उन्होंने सेना की कमान जनरल धीरज सेठ को सौंपी।

गेट्स फाउंडेशन को दान रोका बफे ने

वाशिंगटन। बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन वॉरेन बफे ने इस साल गेट्स फाउंडेशन को होने वाला अपना नियमित मध्य-वर्षीय अरबों डॉलर का दान फिलहाल रोक दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, वे फाउंडेशन और दिवंगत यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के संबंधों की बाहरी समीक्षा पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने एपस्टीन से जुड़े फाउंडेशन के पुराने संपर्कों की स्वतंत्र जांच कराई है।

आसाराम को सुप्रीम झटका नहीं मिलेगी जमानत

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जोधपुर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम को देश की सर्वोच्च अदालत से एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की उस याचिका पर तुरंत कोई भी अंतरिम राहत या जमानत देने से साफ इंकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने खराब स्वास्थ्य और इलाज का हवाला देकर जेल से बाहर आने की गुहार लगाई थी।

दिल्ली एयरपोर्ट के वॉशरूम 1.47 करोड़ का सोना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब 1.47 करोड़ रुपए का 1,141.5 ग्राम सोना बरामद किया। आरोपी ने सोने के पेस्ट से भरे तीन पैकेट एयरपोर्ट के वॉशरूम के फ्लश-बटन की कैविटी में छिपा रखे थे। कस्टम विभाग के मुताबिक, यात्री 26 जून को दुबई से दिल्ली पहुंचा था और 27 जून को ट्रांजिट में था। संदिग्ध ट्रांजिट यात्रा के आधार पर अधिकारियों ने उस पर नजर रखी।

राम मंदिर चंदा चोरी पर सियासी संग्राम, राय-यादव सहित कई दिग्गज नजरबंद

पदयात्रा और विरोध प्रदर्शन करने जा रहे कांग्रेस-सपा नेताओं पर एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या राम मंदिर के बहुचर्चित चंदा चोरी और दान गबन मामले ने अब एक बड़े सियासी संग्राम का रूप ले लिया है। रामलला के खजाने में कथित लूट के खिलाफ अयोध्या में पदयात्रा और विशाल विरोध प्रदर्शन करने जा रहे कांग्रेस और सपा के दिग्गज नेताओं को पुलिस ने रास्ते में ही रोककर हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर लिया है। होटल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और उन्हें किसी से भी मिलने या बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता और अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है ताकि अयोध्या में अशांति न फैल सके।

राय, किशोरी, तनुज पर लिया एक्शनः कांग्रेस के एक विशेष ▶▶|शेष पेज 8 पर

सपा नेता धर्मेंद्र यादव भी नजरबंद

कांग्रेस के साथ-साथ समाजवादी पार्टी के नेताओं पर भी पुलिस ने कड़ा पहरा लगा दिया है। चंदा चोरी के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराने जा रहे सपा के वरिष्ठ नेता और सांसद धर्मेंद्र यादव और सपा सांसद-विधायकों को भी पुलिस ने एहतियातन हाउस अरेस्ट कर लिया है।

केजरीवाल को दर्शन करने देते हैं लेकिन हमें नहीं : राय

एक चैनल से बात करते हुए यूपी कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है और हमें नजरबंद कर दिया गया। सरकार क्यों डरी हुई है? उन्होंने दावा किया कि एसआईटी जांच में सिर्फ लीपापोती हो रही है। भेदभाव हो रहा है। अरविंद केजरीवाल को दर्शन करने देते हैं लेकिन हमें नहीं।

चंपत समेत सभी की हो जांच : वीएचपी

अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी और गबन के मामले पर बढ़ते विवाद के बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूर्व श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के फैसलों से सार्वजनिक रूप से दूरी बना ली है। साथ ही संगठन ने पूरे मामले की व्यापक जांच कराने की मांग की है। एक चैनल से बातचीत में वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि चंपत राय ने खुद सबसे पहले जांच के लिए पेश होने की पेशकश की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ट्रस्ट की एफआईआर सिर्फ आठ लोगों तक सीमित नहीं है।

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद 5 को महासमुंद में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के विकास, प्रगति और आगामी संभावनाओं सहित जनहित से जुड़े मुद्दों पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा आयोजित जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन शहर के बागबाहरा मार्ग स्थित अंबेडकर भवन में 5 जुलाई रविवार शाम 4 बजे होने जा रहा है। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथिगण हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों का जवाब देंगे। साथ ही जिले के आगामी विकास को लेकर चर्चा होगी। अतिथियों में जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, महासमुंद की सांसद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, डॉ. संपत अग्रवाल, द्वारिकाधीश यादव व श्रीमती चातुरी नंद शामिल होंगी।

कार्यक्रम में जिले के विकास, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर खुलकर चर्चा की जाएगी। इस दौरान आम जनता और विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रतिनिधियों के सवालों के माध्यम ▶▶|शेष पेज 8 पर

बीते 8-9 महीने से चल रहा था फर्जीवाड़ा, तीन गिरफ्तार

पुलिस विभाग की वेतन शाखा में 3 करोड़ का गबन, आडिट टीम ने पकड़ा घोटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पुलिस विभाग की वेतन शाखा में बीते 8-9 महीने से ऑनलाइन वेतन ट्रांसफर में हेरफेर कर अपनों के खातों में अतिरिक्त राशि भेजे जाने का खेल चल रहा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब रायपुर से आडिट टीम ने गड़बड़ी पकड़ी। इस अवधि में लगभग 3 करोड़ 5 लाख से अधिक राशि गबन की जा चुकी थी। ▶▶|शेष पेज 8 पर

- ऑनलाइन वेतन ट्रांसफर में हेरफेर कर अपनों के खातों में भेजी जा रही थी अतिरिक्त राशि

जांच टीम खंगाल रही दस्तावेज

जांच एजेंसियां अब बैंक खातों के लेन-देन, डिजिटल रिकॉर्ड, वेतन भुगतान सॉफ्टवेयर और संबंधित दस्तावेजों की तकनीकी जांच भी कर रही है। इसके लिए साइबर और वित्तीय विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है ताकि गड़बड़ी की पूरी श्रृंखला का पता लगाया जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस पूरे मामले में वेतन शाखा के अन्य ▶▶|शेष पेज 8 पर

जांच के बाद होगी कार्रवाई

प्रारंभिक जांच में वेतन भुगतान प्रक्रिया के दौरान निर्धारित राशि से अधिक धनराशि आहरित किए जाने के तथ्य सामने आए हैं। वेतन शाखा में कार्यरत तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है तथा जांच के आधार पर आगे और भी कार्रवाई की जाएगी।

शलभ कुमार सिन्हा
एसपी बस्तर

अमरनाथ यात्रा : जम्मू सेंटर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कड़ी सुरक्षा के बीच टोकन वितरण शुरू, आज से रजिस्ट्रेशन भी

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा के लिए टोकन बांटने की प्रक्रिया मंगलवार को जम्मू में शुरू कर दी गई। यहां पर कड़ी सुरक्षा में यह प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए इस जगह पर 10 टोकन वितरण काउंटर बनाए हैं। कुल 1,600 टोकन जारी किए गए हैं, जिनमें से 800 पहलगाम रूट के लिए और 800 बालटाल रूट के लिए हैं। टोकन का वितरण सुचारू और सुरक्षित ढंग से हो, इसके लिए तवी रिवर फ्रंट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

- 3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी की यात्रा 28 अगस्त को होगी समाप्त

18 ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन और टोकन काउंटर

अमरनाथ यात्रा के लिए, जम्मू जिला प्रशासन ने 18 ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन और टोकन काउंटर बनाए हैं। इनमें से दस टोकन काउंटर तवी रिवरफ्रंट सेंटर पर काम करते हैं जबकि अन्य काउंटर गीता भवन, राम मंदिर (पुरानी मंडी), भगवती नगर और रेलवे स्टेशन पर हैं। टोकन मिलने के अगले दिन टोकन धारकों का ई-केवाईसी और आरएफआईडी रजिस्ट्रेशन किया जाता है।

फर्जी रजिस्ट्रेशन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

जम्मू के डिप्टी कमिश्नर राकेश मिन्हास ने चेतावनी दी है कि जो लोग या अनधिकृत केंद्र यात्रियों से पैसे ठगकर फर्जी कूपन या टोकन देते हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चाहे कोई स्थानीय हो या बाहर का, धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

आम लोगों को नहीं होगी परेशानी

एक राहत की बात यह है कि इस साल यात्रा के दौरान शहर की कोई भी सड़क बंद नहीं की जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों, दोनों को आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। हर यात्री को खुद लाइन में लगकर अपना टोकन लेना होगा। किसी दूसरे के बदले टोकन नहीं मिलेगा। नियमों के मुताबिक, 13 साल से कम उम्र के बच्चों और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को यात्रा की इजाजत नहीं है।

दो रूट से होगी यह यात्रा

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होगी और 28 अगस्त को समाप्त होगी। समुद्र तल से 3880 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह गुफा मंदिर कश्मीर हिमालय में अनंतनाग जिले में है। यात्री या तो लंबे पारंपरिक पहलगाम बेस कैंप रूट का इस्तेमाल करते हैं या छोटे बालटाल रूट का। पहलगाम रूट का इस्तेमाल करने वाले लोग चार दिन बाद गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं जबकि बालटाल रूट का इस्तेमाल करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।

अब 43 तरह के कारोबार के लिए निकायों से नहीं लेना होगा ट्रेड लाइसेंस

राज्य सरकार ने व्यापार अनुज्ञापन नियमों में किया संशोधन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के व्यापारियों और उद्यमियों को बड़ी प्रशासनिक राहत देते हुए नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में संचालित 43 प्रकार के व्यापार और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थानीय निकायों से ट्रेड लाइसेंस (व्यापार अनुज्ञप्ति) लेने और उसका नवीनीकरण कराने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इसके लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2025 में संशोधन कर नया प्रावधान जोड़ा गया है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह लाइसेंस मुक्त व्यवस्था नहीं होगी। संबंधित व्यवसायों को अपने क्षेत्र से जुड़े अन्य कानूनों के तहत आवश्यक लाइसेंस या पंजीयन पहले की तरह अनिवार्य रूप से रखना होगा। साथ ही स्थानीय निकायों को निर्धारित पंजीयन शुल्क भी देना पड़ेगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा किए गए इस संशोधन के अनुसार नियम-17 के बाद नया नियम-18 जोड़ा गया है। इसके तहत नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में सूचीबद्ध व्यवसायों को अब व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त करने या उसका नवीनीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी।यह संशोधन व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब व्यापारियों को एक ही काम के लिए नगर निकाय से अलग ट्रेड लाइसेंस लेने की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा, यदि उनके पास संबंधित नियामक संस्था का वैध लाइसेंस या पंजीयन मौजूद है।

नई व्यवस्था का लाभ 43 श्रेणियों के व्यवसायों को मिलेगा। इनमें प्रमुख रूप से— खुदरा एवं थोक दुकानें किराना और राशन दुकानें, फल एवं सब्जी विक्रेता, डेयरी उत्पाद विक्रेता, बेकरी मिठाई दुकानें रेस्टोरेंट एवं भोजनालय कैटरिंग और क्लाउड किचन मांस, मछली और पोल्ट्री व्यवसाय पैकेज्ड फूड एवं पेयजल इकाइयां होटल, लॉज एवं गेस्ट हाउस सिनेमाघर और मल्टीप्लेक्स आईटी एवं सॉफ्टवेयर कंपनियां गोदाम और लॉजिस्टिक्स ई-कॉमर्स, फुलफिलमेंट सेंटर बैंक एवं बीमा कार्यालय कोचिंग संस्थान जिम एवं फिटनेस सेंटर, ब्यूटी पार्लर एवं सैलून, मेडिकल स्टोर,अस्पताल, फैक्ट्री एवं औद्योगिक इकाइयां जैसे प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ट्रेड लाइसेंस खत्म होने का मतलब यह नहीं है कि व्यवसाय बिना किसी अनुमति के संचालित होंगे। विभाग ने स्पष्ट किया गया है कि संबंधित व्यवसायों को अपने क्षेत्र के अनुसार वैध लाइसेंस या पंजीयन रखना अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए दुकानों के लिए दुकान एवं स्थापना अधिनियम के तहत पंजीयन। खाद्य कारोबार के लिए एफएसएसएआई का लाइसेंस या पंजीयन। मेडिकल स्टोर के लिए औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम के तहत ड्रग लाइसेंस। फैक्ट्रियों के लिए फैक्ट्री अधिनियम अथवा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता के तहत आवश्यक अनुमति। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ट्रेड लाइसेंस की बाध्यता हटने के बावजूद संबंधित व्यवसायों को नगर निकायों को नियम-5 के अनुसार निर्धारित पंजीयन शुल्क देना होगा। यानी लाइसेंस की प्रक्रिया समाप्त होगी, लेकिन स्थानीय निकायों के राजस्व का स्रोत पूरी तरह खत्म नहीं होगा।

घटेगी कागजी प्रक्रिया

जानकारों के अनुसार इससे व्यवसाय शुरू करने और संचालित करने की प्रक्रिया सरल होगी। पहले व्यापारियों को एक ही प्रतिष्ठान के लिए नगर निकाय का ट्रेड लाइसेंस, एफएसएसएआई, दुकान एवं स्थापना पंजीयन, ड्रग लाइसेंस या अन्य विभागीय अनुमति जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। अब नगर निकाय के ट्रेड लाइसेंस की अलग व्यवस्था समाप्त होने से अनुपालन का बोझ कम होगा और कारोबार शुरू करने में लगने वाला समय तथा कागजी प्रक्रिया घटेगी।

खबर संक्षेप

बुलडोजर कार्रवाई अमानवीय और अन्याय

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के मुख्य प्रवक्ता एवं अधिवक्ता भगवानू नायक ने ग्राम नकटी, जिला रायपुर में वर्षों से निवासरत गरीब ग्रामीणों के मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेदखल किए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का पहला और अंतिम उद्देश्य गरीब, वंचित और कमजोर वर्ग के लोगों का विकास एवं कल्याण होना चाहिए, न कि उनके सिर से छत छीनकर उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर करना। अधिवक्ता श्री नायक ने कहा कि ग्राम नकटी में लगभग 80 परिवारों के आशियाने उजाड़ दिए गए। भीषण गर्मी में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग रोते-बिलखते रहे, लेकिन प्रशासन ने मानवीय संवेदनाओं को दरकिनार कर कठोर कार्रवाई की। यह घटना न केवल प्रशासनिक असंवेदनशीलता का उदाहरण है।

विद्यार्थियों का सम्मान और स्कूलों को विकास की सौगात

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर हो रहे विकास कार्यों और मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की पहल के अंतर्गत पं. रामदयाल तिवारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 29 मेधावी विद्यार्थियों को 5-5 हजार प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश से 1.50 करोड़ की लागत से बनने वाले अतिरिक्त कक्ष निर्माण तथा खेल मैदान के विकास के लिए 19 लाख की स्वीकृति की जानकारी भी दी गई। इन कार्यों से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, सुविधाजनक कक्ष और खेल गतिविधियों के लिए उपयुक्त मैदान उपलब्ध होगा।

निर्धन सहायता कोष की आवश्यकता पर दिया बल

रायपुर। भगवान परशुराम चौक विश्रामगृह स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मंगलवार को बेमेतरा राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज की प्रबंधकारिणी एवं कार्यकारिणी की जिला स्तरीय बैठक हुई। प्रदेश सचिव विकासधर दीवान ने 90 विधानसभा में समाज का सशक्त सामाजिक संगठन तथा प्रांतव्यापी सामाजिक जनगणना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को आर्थिक सहयोग के लिए निर्धन सहायता कोष की आवश्यकता पर बल दिया। बेमेतरा ब्लॉक अध्यक्ष भावेश शर्मा तथा प्रदीप दुबे ने समाज में अंतरजातीय विवाह पर रोक लगाने का सामाजिक नियम बनाने तथा पारिवारिक सम्मेलन आयोजित कर नई पीढ़ी को अधिक से अधिक शामिल करने की पहल करने की अपील की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा की अध्यक्षता एवं आचार्य बलदेव शास्त्री प्रदेश सचिव विकासधर दीवान, राजेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा, संभागीय महासचिव चंद्रिका प्रसाद शर्मा, शेषनारायण तिवारी की उपस्थिति में हुई बैठक में आठ महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बिजली बेचने के दाम बढ़े, पर खरीदने के हो गए कम

सोलर की बिजली अब 2.50 रुपए में नहीं 1.92 रुपए में खरीदेगी पॉवर कंपनी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सोलर पैनल लगाने वालों का बिजली उत्पादन अगर ज्यादा होता है, तो उनकी बिजली छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी नए सत्र में 2.50 रुपए के स्थान पर 1.92 रुपए में खरीदेगी। यही कीमत सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया ने तय की है। इसी कीमत को छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी ने बिजली नियामक आयोग के पास मंजूरी के लिए भेजा था। इसको आयोग ने मंजूरी दे दी है। एक तरफ जहां सोलर से बिजली खरीदी की कीमत कम हो गई है, वहीं पॉवर कंपनी ने नए सत्र के लिए बिजली बेचने के दाम 50 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ा दिए हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बिजली के उपभोक्ता सोलर पैनल लगातार अपने घरों की छत पर बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से सब्सिडी भी दी जा रही है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एक किलो वाट के सोलर पैनल में रोज करीब चार यूनिट बिजली बनती है। ऐसे में एक किलोवाट में 120 यूनिट बिजली मिल जाती है। ऐसे में तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगाने पर 360 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। आमतौर पर जिनकी जितनी खपत है उसके हिसाब से ही उपभोक्ता सोलर पैनल का चयन करते हैं। लेकिन पॉवर कंपनी ज्यादा बिजली को खरीद भी रही है तो ऐसे में उपभोक्ता खपत से ज्यादा बिजली की उत्पादन करने के लिए भी सोलर लगा रहे हैं।

अगर किसी उपभोक्ता की बिजली की खपत हर माह दो सौ यूनिट ही है और उसने तीन किलो वाट का सोलर पैनल लगाया है तो इसकी 12 से 15 सौ यूनिट की बिजली अगर साल भर में बचती है तो इसके पैसे पॉवर कंपनी देगी। लेकिन इसकी कीमत उपभोक्ता को महज अब 1.92 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से मिलेगी।

पॉवर कंपनी की बिजली महंगी

पॉवर कंपनी जो बिजली उपभोक्ताओं को देती है। वह पांच रुपए यूनिट से कम नहीं पड़ती है। पहले सौ यूनिट का टैरिफ जुलाई से 4.40 रुपए हो जाएगा। इसमें जहां दस पैसे प्रति यूनिट सेस के लगते हैं। वहीं इसी के साथ इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी 11 फीसदी है। ऐसे में 4.40 रुपए पर 48 पैसे इसके लग जाते हैं। इसके अलावा प्रति किलो वाट पर 20 रुपए शुल्क है। ये सब मिलाकर बिजली की कीमत करीब पांच रुपए यूनिट से ज्यादा हो जाती है, क्योंकि एफपीपीएएस शुल्क अलग से लगता है। यह कभी पांच फीसदी तो कभी दस फीसदी से ज्यादा हो जाता है। अब यह बात अलग है कि बिजली बिल हॉफ योजना में चार सौ यूनिट तक खपत पर दो सौ यूनिट की खपत का बिल आधा हो जाता है। इसके बाद भी औसत कीमत चार सौ यूनिट की खपत पर करीब पांच रुपए यूनिट हो जाती है। सौ और दो यूनिट की खपत वालों को जरूर कम कीमत लगती है। लेकिन यह कीमत भी सोलर से खरीदी जाने वाली बिजली की कीमत से ज्यादा रहती है।

मेंटल हास्पिटल में अव्यवस्था, डाक्टरों की भर्ती नहीं, हाईकोर्ट नाराज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश के एकमात्र मेंटल हॉस्पिटल में संविदा चिकित्सकों की भर्ती और शासन के अधूरे जवाब पर कड़ी नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने मामले में शासन को नया शपथपत्र पेश करने कहा है। कोर्ट ने नियमित भर्ती की समय-सीमा नहीं बताने पर नाराजगी जाहिर करते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के सचिव को 24 मार्च से पहले नया शपथपत्र पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसमें यह बताना होगा कि मेंटल अस्पताल में नई भर्ती कब तक पूरी होगी।

कोर्ट ने मामले में शासन को नया शपथपत्र पेश करने कहा

दरअसल, बिलासपुर के सकरी स्थित मेंटल अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है। डिवीजन बेंच ने एडवोकेट ऋषि राहुल सोनी को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर अस्पताल का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पूर्व सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया था कि अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर और स्टाफ की कमी है। साथ ही साफ-सफाई और गंदगी पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव से शपथपत्र मांगा था, जिसमें अव्यवस्था दूर करने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी देने को कहा गया था।

शासन ने शपथ पत्र में यह कहा

मामले में राज्य सरकार की ओर से बताया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों, इसलिए अंतरिम व्यवस्था के तहत दो एमडी (मनोचिकित्सा) चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति दो सालों के लिए राज्य मानसिक चिकित्सालय, सेंदरी में की गई है। दोनों चिकित्सकों ने 13 जनवरी 2026 को कार्यभार ग्रहण कर लिया है और वर्तमान में सेवाएं दे रहे हैं। शपथपत्र में यह भी बताया गया कि पैथोलॉजी विशेषज्ञ की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और चयन सूची जारी की जा चुकी है। वहीं, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट और काउंसलर (सोशल वर्कर) पदों की भर्ती प्रक्रिया लोक सेवा आयोग में जारी है। वार्ड बॉय और वार्ड आया पदों की भर्ती व्यापम ने पूरी कर ली है। दस्तावेज सत्यापन के बाद नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। मामले में न्यायमित्र ने कोर्ट को बताया कि स्वास्थ्य सचिव के शपथपत्र में मनोचिकित्सक पदों की नई भर्ती प्रक्रिया, समय-सीमा, आवेदन आमंत्रण, साक्षात्कार की संभावित तिथि, भर्ती में आ रही व्यावहारिक समस्याएं और उनके समाधान का स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया है।

पुलिस अभिरक्षा में नाबालिग भाई-बहन पेश हुए हाईकोर्ट में

बिलासपुर। एक हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दो नाबालिग भाई-बहन (12 वर्षीय बालिका एवं 9 वर्षीय बालक) को मंगलवार को चीफ जस्टिस के कोर्ट में पेश किया गया है। दोनों पक्षों को साथ ही में न्यायिक अकादमी में काउंसलिंग की गई। 2 जुलाई को फिर से काउंसलिंग की जाएगी।

न्यायिक अकादमी में की गई काउंसलिंग

सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से बताया गया कि, दोनों बच्चे वर्तमान में चाइल्ड केयर संस्थानों में रह रहे हैं। बालक चाइल्ड वेलफेयर सेंटर, बैकुंठपुर (जिला कोरिया) तथा बालिका बालिका गृह, अंबिकापुर (जिला सरगुजा) में है। दोनों बच्चों को पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, लेकिन संबंधित जिला मजिस्ट्रेट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से नहीं जुड़ सके। मामले की परिस्थितियों को देखते हुए की चीफ जस्टिस की डीबी ने दोनों बच्चों की काउंसलिंग आवश्यक मानते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि यात्रा के दौरान बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित डिप्टी पुलिस अधीक्षक तथा चाइल्ड केयर संस्थान के सक्षम अधिकारी साथ रहेंगे।

यह है पूरा मामला

दरअसल बच्चों की सौतेली बहन ने बन्दी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश कर कहा है कि उसकी सौतेली बहन व भाई को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है। सुनवाई के दौरान यह बात कोर्ट के समक्ष एक बच्चे ने कहा कि उसके साथ याचिकाकर्ता के पति ने दुष्कर्म किया और वे अभी बाल गृह में सुरक्षित है। इस पर याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि उसने स्वयं आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने बच्चों की काउंसलिंग के लिये उपस्थित करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट का समय बर्बाद किया, जुर्माने के साथ याचिका खारिज

जुर्माने की राशि शासकीय बाल संप्रेषण गृह कोरबा के बच्चों के कल्याण के लिए जाएगी

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कानूनी ड्राफ्टिंग में गंभीर लापरवाही बरतने पर नाराजगी जताई है। नाराज कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं पर 5000 रुपए का जुर्माना ठोंका है। कोर्ट ने जुर्माने की राशि को शासकीय बाल संप्रेषण गृह कोरबा के बच्चों के कल्याण के लिए भेजने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने नए सिरे से याचिका दाखिल करने की छूट दी है।

यह मामला कोरबा जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मानिकपुर पुलिस चौकी में दर्ज अपराध से जुड़ा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने जांच पूरी कर 29 अप्रैल 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोरबा की अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, जिस पर निचली अदालत ने 30 अप्रैल 2026 को संज्ञान लिया। पूरी आपराधिक कार्रवाई और एफआईआर को निरस्त करने की मांग करते हुए मुख्य आरोपी मिनी लाल साहू, विक्की उर्फ सचिन कुर्रे और सतीश कुर्रे ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दायर की थी। इस मामले में कानूनी बाध्यताओं के चलते पीड़ित महिला (शिकायतकर्ता) की पहचान गोपनीय रखी गई।

आपराधिक धाराओं का उल्लेख ही नहीं किया

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता के वकीलों ने अपनी अर्जी में एफआईआर, चार्जशीट और मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द करने की मांग तो की थी, लेकिन वे पूरे आवेदन में उन आपराधिक धाराओं का उल्लेख करना ही भूल गए जिनके तहत उनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कोर्ट ने कहा कि बिना धाराओं के उल्लेख की ऐसी त्रुटिपूर्ण याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट की नाराजगी के बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से उपस्थित अधिवक्ताओं ने अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने कोर्ट से प्रार्थना की कि उन्हें इस त्रुटिपूर्ण याचिका को वापस लेने की अनुमति दी जाए, ताकि वे भविष्य में सभी कानूनी धाराओं का स्पष्ट उल्लेख करते हुए एक नई और विधिवत याचिका दायर कर सके। डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ताओं को नई याचिका पेश करने की स्वतंत्रता दी है।

पांच मिडिल स्कूल एचएम की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई प्रारंभिक पदोन्नति आदेश अनियमितताओं के कारण निरस्त कर दिया गया हो, तो कर्मचारी बाद में नए सिरे से मिले प्रमोशन के बाद पुराने निरस्त आदेश की तारीख से वरिष्ठता का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने सूरजपुर जिले के पांच मिडिल स्कूल प्रधानपाठकों की याचिका को आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता शोभनाथ चौबे, अशोक कुमार उपाध्याय, दिनेश कुमार द्विवेदी, संजय कुमार त्रिपाठी और दिनेश कुमार कौशिक सूरजपुर जिले के विभिन्न शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं में प्रधानपाठक के पद पर कार्यरत हैं। इन शिक्षकों को पहली बार 7 सितंबर 2012 को प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नत किया गया था और उन्होंने ज्वाइनिंग भी कर ली थी। पदोन्नति प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियों और विसंगतियों की शिकायत के बाद, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के कमिश्नर के निर्देश पर कलेक्टर सूरजपुर ने जांच कराई। इसके बाद 21 सितंबर 2012 को इस प्रमोशन आर्डर को रद्द कर दिया गया था। विसंगतियों को दूर करने के बाद याचिकाकर्ताओं को 19 सितंबर 2013 को दोबारा फ्रेश आर्डर के जरिए प्रधानपाठक पद पर प्रमोट किया गया। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता ए.एन. पांडेय के माध्यम से याचिका दायर कर संभागीय संयुक्त संचालक द्वारा उनके दावे को खारिज करने वाले आदेश को चुनौती दी थी। उनकी मांग थी कि उन्हें उनके पहले प्रमोशन आदेश यानी 7 सितंबर 2012 से ही वरिष्ठता का लाभ दिया जाए, क्योंकि कुछ अन्य समकक्ष कर्मचारियों को इसका लाभ मिला है।

एप्पल का तीन लाख वाला लैपटॉप चार लाख के पार, आईपैड के दाम भी एक लाख तक बढ़े

लैपटॉप के दाम एक लाख तक बढ़े, पाट्र्स के दाम छह गुना तक बढ़े

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

कंप्यूटर में लगने वाले पाट्र्स रैम, हार्ड डिस्क के साथ एसएसडी के दाम दो से छह गुना तक बढ़ गए हैं। ऐसा होने के कारण कंप्यूटर और लैपटॉप के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। एप्पल के लैपटॉप के दाम तो एक लाख तक बढ़ गए हैं। तीन लाख वाला लैपटॉप चार लाख का हो गया है। आईपैड के दाम भी दस हजार से एक लाख तक बढ़े हैं। अन्य कंपनियों के लैपटॉप और डेस्कटॉप के दाम भी 20 से 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। कंप्यूटरों को असेम्बल करके बेचने वाले कारोबारियों का कारोबार एक तरह से चौपट ही हो गया है, क्योंकि इसके दाम भी बहुत बढ़ गए हैं। इसी के साथ रिपेयरिंग का काम भी बहुत ज्यादा प्रभावित हो गया है। कंप्यूटर पाट्र्स बनाने वाली कंपनियां अब ज्यादा ध्यान एआई के डाटा सेंटरों के लिए हाई बैडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) और सर्व ग्रेड चिप्स पर दे रही हैं। इसके कारण कंप्यूटर के आम चलन वाले पाट्र्स की कमी हो गई है। मेमोरी चिप के दाम भी डबल हो गए हैं।

राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश भर में लैपटॉप और कंप्यूटर बेचने और बनाने का कारोबार करने वाले बड़ी संख्या में हैं। आमतौर पर कई कंपनियों में ब्रांडेड से ज्यादा असेम्बल कंप्यूटर की डिमांड रहती है। विद्यार्थियों के लिए भी लोग आमतौर पर असेम्बल कंप्यूटर लेते हैं, क्योंकि ये सस्ते पड़ते हैं। इसी के साथ ब्रांडेड कंप्यूटर भी अगर खराब होते हैं तो उनको बनाने का काम किया जाता है तो उसमें रैम, हार्ड डिस्क या फिर एसएसडी लगाने का काम भी कंप्यूटर बनाने का काम करने वाले सेंटरों में होता है।

राजधानी के कारोबारी राजेश वासवानी के मुताबिक एप्पल के लैपटॉप के दाम एक लाख तक बढ़े हैं। मैक बुक प्रो जो पहले 2.99 लाख का था उसके दाम 3.99.900 रुपए हो गए। आई पैड के दाम दस हजार से एक लाख तक बढ़े हैं। इसी तरह से एचपी का जो लैपटॉप पहले 31 हजार का था, उसके दाम 47 हजार और 42 हजार वाले के 57 हजार हो गए हैं। सभी कंपनियों ने अपने लैपटॉप और डेस्कटॉप के दाम 20 से 50 फीसदी तक बढ़ा दए हैं।

पाट्र्स के दाम आसमान पर

कंप्यूटर में लगने वाली 8 जीबी की रैम के दाम पहले हजार से 12 सौ रुपए थे, इसके दाम अब 55 सौ रुपए हो गए हैं। यानी दाम चार गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं। जिस चार जीबी रैम की ज्यादा मांग नहीं रहती थी और इसके दाम महज तीन सौ रहते थे, इसके दाम छह गुना तक बढ़कर आज 18 सौ रुपए हो गए हैं। हाई डिस्क की बात करें तो 500 जीबी की जो हार्ड डिस्क पहले 11 सौ रुपए की आती थी उसके दाम 25 सौ रुपए हो गए हैं। हजार जीबी की हार्ड डिस्क के दाम तीन हजार से साढ़े छह हजार हो गए हैं। 128 जीबी एसएसडी पहले 800 रुपए में मिलती थी इसके दाम दो हजार, 256 जीबी के दाम 12 सौ से बढ़कर 35 सौ और हजार जीबी के दाम 35 सौ से बढ़कर दस हजार हो गए हैं। मेमोरी चिप की बात करें तो 64 जीपी की मेमोरी चिप के दाम 400 से बढ़कर 900 हो गए हैं।128 जीबी की चिप के दाम 700 से 15 सौ हो गए हैं।

कंपनी का अफसर बनकर लग्जरी होटल में 3 दिन रुका, बिना बिल दिए भाग गया

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

दिल्ली, मुंबई, पुणे सहित देश के कई बड़े शहरों की तरह अब छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लग्जरी होटलों में भी ठगी होने लगी है। दूसरे राज्य से आने वाले कुछ लोग किसी बहाने से लग्जरी होटल में ठहरते हैं और फिर होटल के महंगे व्यंजनों का स्वाद लेने के बाद महंगी चीजें चोरी कर फरार हो जाते हैं। एक ऐसा ही मामला लभांडी रायपुर स्थित लग्जरी होटल हयात का सामने आया है। इस होटल में किसी निजी कंपनी का अफसर बनकर ररुका तमिलनाडु का रहने वाला एक व्यक्ति 3 दिनों तक ब्रेक फास्ट, लंच एवं डिनर करता रहा, वहीं चौथे दिन अचानक वह बिल का भुगतान किए बिना रफूचक्कर हो गया। जाते-जाते वह होटल का एक लैपटॉप भी चोरी कर ले गया। इस घटना की रिपोर्ट तेलीबांधा थाना में दर्ज कराई गई है।

थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार होटल हयात में 3 दिन पूर्व भीमसेन जॉन 61 वर्ष नामक व्यक्ति जिसने खुद को तमिलनाडु का रहने वाला बताया और एक कमरे की बुकिंग कराई। भीमसेन ने कमरा लेते समय होटल रिसेप्शन में बैठे कर्मचारियों को कंपनी के किसी काम से रायपुर आने की जानकारी दी थी। कमरा देने के दौरान भीमसेन की आईडी की कॉपी भी ली गई थी। होटल में वह 3 दिन तक ठहरा रहा। इस दौरान वह होटल में ही चाय, नाश्ता से लेकर लंच एवं डिनर भी करता रहा, जिसके बिलों का भुगतान उसने कमरा छोड़ने के दिन करने की बात कही थी, लेकिन चौथे दिन अचानक वह होटल के स्टॉफ में किसी को कुछ बताए बगैर चला गया।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

माड़मसिल्ली बांध में लीकेज, मरम्मत के लिए गंगरेल में शिफ्ट किया जा रहा पानी

माड़मसिल्ली में 3.469 टीएमसी जलभराव

माड़मसिल्ली बांध के एसडीओ भाविन देवांगन ने बताया कि माड़मसिल्ली बांध के मिट्टी वाले भाग में लीकेज हो गया है। 4 साल पहले भी लीकेज हुआ था। उस समय भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई गई थी और फिर बांध की मरम्मत करवाई गई थी। अभी फिर बांध को जरुरत के मुताबिक खाली कराया जा रहा है। बांध का पानी गंगरेल बांध में शिफ्ट किया जा रहा है। मंगलवार को माड़मसिल्ली से 2423 क्यूसेक पानी गंगरेल बांध के लिए जा रहा है। 30 जून की स्थिति में माड़मसिल्ली बांध में 3.469 टीएमसी जलभराव है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

अलनीनो के चलते अब तक काफी कम बारिश से सूखे की आशंका के बीच माड़मसिल्ली बांध से लीकेज की खबर आई है, जिसके कारण बांध का पानी खाली कराया जा रहा है। गौरतलब है, ऑटोमेटिक सायफन सिस्टम वाला माड़मसिल्ली बांध एशिया का इकलौता है। इसकी लीकेज की मरम्मत के लिए बांध को खाली करने की कवायद शुरु हो चुकी है। गत मानसून की अच्छी बारिश से महानदी परियोजना के चारों बांध लबालब भरे हुए थे। माड़मसिल्ली बांध में 24 जून तक 4.501 टीएमसी जलभराव था जो बांध की क्षमता का 77 फीसदी पानी है।

- चार साल पहले भी लीकेज की आई थी समस्या, स्थायी समाधान अभी नहीं

स्थायी समाधान के लिए प्रस्ताव

अभी लीकेज की मरम्मत का काम भी शुरू हो गया है। काम करने लायक बांध से पानी छोड़ा जाएगा। लीकेज के परमानेंट उपाय के लिए रिटेनिंग वाल बनाया जाना है। इसके लिए स्टीमेट बनाकर शासन से राशि स्वीकृति कराई जाएगी। विभागीय स्तर पर इसकी तैयारी की जा चुकी है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

दिसंबर में वॉशिंगटन जाएंगे पीएम मोदी!

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल दिसंबर में एक बार फिर अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने वाशिंगटन में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम (यूएसआईएसपीएफ समिट) में खुद इस बात का बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी दिसंबर में मियामी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका आ रहे हैं।

भारत-अमेरिका रिश्ते 30 साल में सबसे खराब : यूस सांसद

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 साल में सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं। वॉशिंगटन में आयोजित यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट 2026 में उन्होंने कहा कि ट्रम्प की टैरिफ नीति, ईरान के साथ युद्ध और सहयोगी देशों से बिना सलाह लिए फैसले करने से अमेरिका की साख को नुकसान पहुंचा है।

हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे : पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है।

ठाकरे गुट के विधायक शिंदे शिवसेना में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान उद्धव गुट के विधायक सचिन अहीरने शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। उन्होंने आज शिंदे गुट की ओर से विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए नामांकन भरा। सचिन अहीर का नेतृत्व मजदूर आंदोलन (लेबर मूवमेंट) से उभरा है। वह पहली बार 1999 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के टिकट पर शिवड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे।

छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में होगी झमाझम बारिश

मानसून की दमदार वापसी, सैटेलाइट में दिखी 1500 किमी लंबी बारिश की पट्टी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में मानसून दमदार वापसी कर रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1500 किलोमीटर लंबी बारिश की पट्टी यानी रेन बैंड दिखाई दिया है। आईएमडी का कहना है कि इसके असर से आने वाले दिनों में कई राज्यों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यह रेन बैंड पश्चिम से पूर्व तक फैला हुआ है और धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है। फिलहाल कोंकण-गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल और तटीय क्षेत्रों में मानसून पूरी तरह से ⏭ शेष पेज 8 पर

- बारिश का नया दौर शुरू होने की पूरी संभावना

देश के बड़े हिस्से में कुछ दिनों की सुस्ती के बाद मानसून ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) यानी रेन बैंड बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है। इसकी वजह से उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में बादल एक्टिव हो गए हैं। इससे जिन इलाकों में पिछले कुछ दिनों से बारिश कम हो गई थी, वहां भी अब फिर से झमाझम बारिश का नया दौर शुरू होने की पूरी संभावना है।

खास बातें

- उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है रैन बैंड
- उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में एक्टिव हो गए बादल

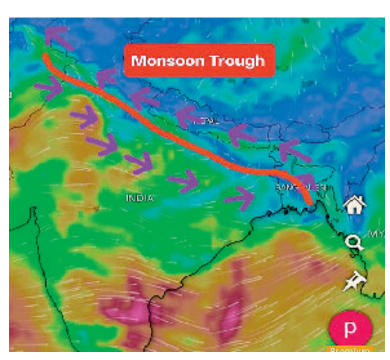

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

क्या होती है मानसून ट्रफ

मानसून ट्रफ कम दवाब क्षेत्र की एक लंबी पट्टी होती है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून की रीढ़ माना जाता है। यह ट्रफ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवाओं को भारत के अंदरूनी हिस्सों तक खींचकर लाती है। इसी वजह से देश के कई इलाकों में बारिश होती है।

हालांकि लगातार और तेज बारिश वाले इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और निचले क्षेत्रों में पानी भरने जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को मौसम विभाग की चेतावनियों और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि जुलाई के शुरुआत वाले दिनों में देश के कई हिस्सों में मानसून पूरी तरह एक्टिव रहेगा और कई राज्यों में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है। ऐसे में जहां एक तरफ गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं किसानों और रिजर्वायर के लिए भी यह बारिश फायदेमंद साबित होगी।

छत्तीसगढ़-एमपी में बहुत बारिश होने की संभावना

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ में अगले कुछ दिनों तक लगातार बारिश का असर बना रहेगा। पश्चिम और पूर्व मध्य प्रदेश में 2 से 4 जुलाई के दौरान बहुत भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ में भी 1 जुलाई से तेज बारिश का दौर मजबूत होने का अनुमान है। मौसम विभाग (ऑल इंडिया वेदर) के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के कुछ हिस्सों, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों के दौरान हल्की से लेकर तेज बारिश होने की उम्मीद है। वहीं पूर्वोत्तर और पश्चिमी तट के राज्यों में भी अच्छी बारिश जारी रहने की संभावना है। इस बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। धान, मक्का, सोयाबीन और दूसरी खरीफ फसलों की बुआई में तेजी आएगी। जिन इलाकों में बारिश की कमी महसूस की जा रही थी, वहां भी खेतों को पर्याप्त नमी मिलने की उम्मीद है।

इन राज्यों में अभी सताएगी गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले कई दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। हालांकि 2 से 4 जुलाई के बीच असम, मेघालय और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में बारिश के साथ गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति भी देखने को मिल सकती है।

नामांतरण के नाम पर

तहसीलदार का रीडर 10 हजार घूस लेते गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

फरसगांव तहसील कार्यालय में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने तहसीलदार के रीडर को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि नामांतरण के एक प्रकरण में रीडर द्वारा 70 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता पहले ही 35 हजार रुपए दे चुका था। तीसरी किस्त लेते ही एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को दबोच लिया। अब मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

कोंडागांव जिले के फरसगांव तहसील कार्यालय में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने तहसीलदार के रीडर मुकेश रंगारी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। शिकायतकर्ता बिस्सूलाल नेताम के अनुसार, नामांतरण प्रकरण में उसके पिता और बुआ का नाम दर्ज करने के एवज में रीडर द्वारा 70 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना एसीबी को दी, जिसके बाद ट्रैप की योजना बनाकर कार्रवाई की गई। डीएसपी चंद्रशेखर ध्रुव ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में फिलहाल किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने नहीं आई है। हालांकि, मामले की जांच जारी है और यदि विवेचना के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने किया रामगढ़ महोत्सव का समापन

रामगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रामगढ़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा, प्रकृति पूजा और ऐतिहासिक विरासत का उत्सव है। सरगुजा की यह पवित्र भूमि प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ आस्था, इतिहास और संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वेदों, पुराणों और उपनिषदों सहित अनेक प्राचीन ग्रंथों में रामगढ़ का उल्लेख मिलता है, जो इसकी ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाता है। सीएम श्री साय मंगलवार को आषाढ़ प्रथम दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। ऐसा पहली बार हुआ कि वर्षों पुरानी इस महोत्सव में प्रदेश का मुखिया स्वयं शामिल होने आया है। समापन समारोह में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, विधायक प्रतापपुर श्रीमती ⏭ शेष पेज 8 पर

रामगढ़ के लिए एक करोड़ की घोषणा

सीएम ने कहा कि प्रदेश की सरकार जिले के विकास के लिए काम कर रही है। सरकार के पिछले ढाई वर्षों में सरगुजा जिले में 2387 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने रामगढ़ के विकास के लिए 1 करोड़ रुपए की घोषणा की। वहीं क्षेत्रवासियों के मांग पर उदयपुर एवं डूमरडीह को मिलाकर नगर पंचायत बनाने की घोषणा की गई।

6 पहाड़ी कोरवा बच्चों का कराया शाला प्रवेश

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंच से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के जिले के 6 बच्चों का शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने बच्चों को तिलक लगाया और मिठाई खिलाई तथा स्कूल बैग, वॉटर बॉटल सहित अन्य अध्ययन सामग्री प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य : अग्रवाल

कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज रामगढ़ की पावन धरा पर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और गौरवशाली परंपराओं के प्रतीक रामगढ़ महोत्सव 2026 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में भव्य समापन हो रहा है। यह महोत्सव हमारी संस्कृति, कला, इतिहास और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का सशक्त माध्यम है, जो हमारी गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का कार्य कर रहा है। हमारी समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं का अनुपम उत्सव का हिस्सा है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सभी को रामगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा यह महोत्सव 50 वर्ष से चल रहा है। ऐतिहासिक, पौराणिक एवं पुरातत्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा- नहीं पहुंच रहा है ग्राहकों तक फायदा

कच्चा तेल हुआ सस्ता, पेट्रोल कंपनियां तुरंत दाम घटाएं : ट्रंप

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया था। अब कच्चे तेल की कीमतें घट गई हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल अब भी महंगा बिक रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि कच्चे तेल के दाम कम हो गए हैं। ऐसे में तेल कंपनियों को पेट्रोल के दाम भी घटाने होंगे। ट्रंप ने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। ट्रंप ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है।

'प्राइस गाउजिंग' का लगाया आरोप

राष्ट्रपति ट्रंप ने बिना किसी ठोस सबूत का हवाला दिए संकेत दिया कि पेट्रोल की मौजूदा ऊंची कीमतें 'प्राइस गाउजिंग' यानी संकट के समय अनुचित तरीके से कीमतें बढ़ाने का मामला हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर कंपनियां जानबूझकर ज्यादा कीमत वसूल रही हैं, तो यह पूरी तरह गैरकानूनी है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर कीमतें जल्द कम नहीं की गईं, तो संबंधित कंपनियों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

ग्राहकों को नहीं मिल रहा फायदा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कच्चे तेल के दाम कम होने की जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा है। कंपनियों को पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक ले जाना चाहिए।' ट्रंप ने तेल कंपनियों पर आम जनता की जेब काटने और 'प्राइस गॉजिंग' यानी नाजायज मुनाफाखोरी का सीधा आरोप लगाया है।

एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे 23 विपक्षी दल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मंगलवार को इंडिया गठबंधन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को एक पत्र भेजा। यह पत्र चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट के चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों के बारे में था। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ⏭ शेष पेज 8 पर

- सीजेआई सूर्यकांत को लिखा संयुक्त पत्र

इन्होंने किए साइन

सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने बताया कि आम आदमी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) - जो अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं ने भी सीजेआई को भेजे गए संयुक्त पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय सेना ने संभाला मोर्चा, हो रही तारीफ

वेनेजुएला में मलबे से 4 दिन बाद जिंदा निकली महिला

एजेंसी ⏭ कराकस

भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल रहे वेनेजुएला से एक ऐसी खबर आई है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। यहां भूकंप आने के चार दिन बाद राहतकर्मियों ने मलबे के नीचे से एक महिला को सुरक्षित और जिंदा बाहर निकाला है। इसे एक बड़े चमत्कार के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि वक्त बीतने के साथ ही मलबे में दबे लोगों के बचने की उम्मीदें लगातार कम होती जा रही हैं। वेनेजुएला में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2000 के पार पहुंच गई है। वहीं, 10,000 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ⏭ शेष पेज 8 पर

- 2 हजार से ज्यादा की मौत, 60,000 लोग अभी भी लापता

भारतीय सेना का 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

इस मुश्किल घड़ी में भारत ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत वेनेजुएला पहुंचे भारतीय राहतकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। भारतीय सेना ने प्रभावित इलाके में अपना एक फील्ड हॉस्पिटल पूरी तरह से तैयार कर लिया है, जहां घायल और जरूरतमंद लोगों को तुरंत इलाज और हर संभव मदद दी जा रही है।

भारत की सराहना की विदेश मंत्री ने

वेनेजुएला ने देश में आए भीषण भूकंप के पीड़ितों की सहायता के लिए भारतीय चिकित्सा दल के प्रयासों की सराहना की है। 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत भारतीय सेना ने वेनेजुएला पहुंचने के बाद काराकास स्थित इंटरनेशनल ला रिनकोनाडा रेसकोर्स में अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ एक फील्ड अस्पताल स्थापित किया है। वेनेजुएला स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को कहा कि भारत ने भूकंप प्रभावित लोगों को 'उपचार और मानवीय संवेदना के साथ राहत' पहुंचाने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। दूतावास ने कहा, 'जनशक्ति एवं विदेश मामलों की मंत्री एंड्रिया कोराओ फारिया ने हमारे फील्ड अस्पताल का दौरा किया और भूकंप पीड़ितों की सहायता के लिए किए जा रहे हमारे प्रयासों की सराहना की।'

चिंतन

मानसून राहत के साथ चुनौती भी

उत्तर भारत में मानसून ने आखिरकार रफ्तार पकड़ ली है। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए यह राहत का संदेश है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी मानसून अपने साथ खुशियां और संकट दोनों लेकर आया है। बंगाल की खाड़ी से जम्मू-कश्मीर तक फैली करीब 1,500 किलोमीटर लंबी मानसून ट्रफ इस बात का संकेत है कि इस बार मानसून की गति कुछ दिनों तक धीमी रही, जिससे कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। अब एक साथ भारी बारिश की संभावना मौसम की चरम घटनाओं की ओर इशारा करती हैं। आने वाले दिनों में उत्तर भारत में व्यापक बारिश होगी। यह बारिश खेतों के लिए अमृत साबित हो सकती है, लेकिन यदि तैयारी अधूरी रही तो यही पानी बाढ़, जलभराव और जनहानि का कारण भी बन सकता है। भारत में मानसून केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धुरी है। देश की लगभग 42 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और 60 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। समय पर और संतुलित मानसून किसानों के लिए बेहतर उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मजबूती और खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करता है। अच्छी फसल का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। मानसून जल सुरक्षा का भी सबसे बड़ा आधार है। वर्षा का पानी नदियों, झीलों, तालाबों और भूजल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करता है। जलविद्युत परियोजनाओं को ऊर्जा उत्पादन के लिए पर्याप्त पानी मिलता है और पूरे वर्ष पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। मानसून का दूसरा चेहरा भी उतना ही कठोर है। असम और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़, हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड, उत्तर प्रदेश में पेड़ गिरने से हुई मौतें और मुंबई जैसे महानगरों में जलभराव यह बताते हैं कि भारत आज भी मानसून का पूरी तरह सामना करने के लिए तैयार नहीं है। हर वर्ष एक जैसी घटनाएं दोहराई जाती हैं, लेकिन समाधान स्थायी नहीं बन पाते। शहरों में नालों की सफाई समय पर नहीं होती, अतिक्रमण के कारण प्राकृतिक जल निकासी बाधित रहती है और थोड़ी सी तेज बारिश भी पूरे शहरी तंत्र को ठप कर देती है। कृषि क्षेत्र में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो तो खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित होती है। अल नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं कई बार सूखे की स्थिति पैदा कर देती हैं, जिससे उत्पादन घटता है और महंगाई बढ़ती है। मानसून के दौरान स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं। दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियां फैलती हैं। निर्माण कार्य प्रभावित होते हैं, सड़कें टूटती हैं, यातायात बाधित होता है और उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर भी असर पड़ता है। यानी मानसून का प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि देश की संपूर्ण आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है। ऐसे में किसानों और आमजन को भी वर्षा जल को संरक्षित करना होगा। शहरी क्षेत्रों में आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने होंगे। आपदा प्रबंधन तंत्र को केवल राहत कार्य तक सीमित न रखकर पूर्व तैयारी पर अधिक ध्यान देना होगा। मानसून प्रकृति का सबसे बड़ा उपहार है, लेकिन यह तभी वरदान बन सकता है जब उसकी प्रत्येक बूंद का सम्मान किया जाए। यदि वर्षा जल संरक्षण, वैज्ञानिक जल प्रबंधन, मजबूत शहरी अवसंरचना और प्रभावी आपदा प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि भारत के सतत विकास की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है।

भरोसे और सच की कसौटी पर डॉक्टरी पेशा

डॉक्टर्स डे

डॉ. संजय शुक्ला

डॉक्टर को 'गॉड ऑफ अर्थ' यानि धरती का भगवान कहा गया है। डॉक्टरी पेशा ही एक ऐसा पेशा है जिसकी हमेशा सर्वोच्च सामाजिक प्रतिष्ठा रही है। भारत में पौराणिक काल से लेकर आधुनिक दौर में वैद्यों, हकीमों और डॉक्टरों का व्यवसायिक नजरिए से समाज में काफी सम्मानजनक स्थान रहा है। देश के महान चिकित्सक डॉ. बिधानचंद्र राय जिनका जन्मदिन 1 जुलाई है की स्मृति में भारत में प्रतिवर्ष 'डॉक्टर्स डे' मनाया जाता है। डॉ. राय की ख्याति केवल उच्च शिक्षा प्राप्त मेडिकल टीचर और डॉक्टर के तौर पर ही नहीं थी बल्कि उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में बतौर सेनानी असहयोग आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। डॉ. बिधानचंद्र राय आगे चलकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी बने तथा उन्हें देश के सर्वोच्च अलंकरण 'भारत रत्न' से नवाजा गया। चिंतनीय है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते निजीकरण और लचर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के चलते चिकित्सा जैसा पवित्र पेशा अब अनेक विसंगतियों से जूझने लगा है।

बाजारवाद और कार्पोरेट घरानों के भारी निवेश के चलते चिकित्सा का क्षेत्र सेवा की जगह कमाई का जरिया बन रहा है फलस्वरूप डॉक्टरों और मरीज के बीच पहले जैसा विश्वास नहीं रहा जो पेशे की अहम कड़ी है। बीते कुछ दशकों के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में कुछ ऐसे घटनाएं हुई है जिसने डॉक्टरी पेशे की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया है। विचारणीय है कि अतीत में जिस चिकित्सा पेशे के प्रति समाज और लोगों में सम्मान और भरोसा था उसकी डोर अब कमजोर होने लगी है। बहरहाल भारत जैसे देश में डॉक्टर और मरीज के बीच पनप रहे अविश्वास के लिए सरकार, समाज और चिकित्सक समान रूप से जिम्मेदार हैं। इस पेशे की घटती विश्वसनीयता के लिए मुख्य रूप से चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ती व्यावसायिकता, सोशल मीडिया पर चिकित्सा और स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रामक खबरें, डॉक्टर और मरीज के बीच संवाद की कमी, चिकित्सा में बढ़ती जटिलताएं और मरीज अथवा परिजनों की अति उम्मीद के साथ ही मेडिकल लापरवाही और जवाबदेही का अभाव है।

भारत जैसे कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में स्वास्थ्य का क्षेत्र शहरी और ग्रामीण तथा अमीर व गरीब के बीच में बंटा हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जारी असमानताओं और विसंगतियों के कारण चिकित्सा पेशे में विश्वसनीयता की कमी आई है फलस्वरूप डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें अब आम हो चुकी है।हालांकि सभ्य समाज में ऐसे संघर्ष को कदापि स्वीकार नहीं किया जा लिहाजा आज जरूरत डॉक्टर और मरीज के बीच बढ़ रहे अविश्वास को खत्म करने की जरूरत है इसके लिए समाज और चिकित्सक बिरादरी के बीच संवाद के फासले को कम करना होगा।अलबत्ता यह भी सच है कि नैतिक मूल्यों के पतन के वर्तमान दौर में चिकित्सा जैसा मुकद्दस पेशा भी अछूता नहीं है जिसके चलते डॉक्टरों के सफेद कोट यानि एप्रन पर भी दाग के छींटें पड़ने लगे हैं। बीते दौर में निजी अस्पतालों के डॉक्टरों द्वारा अनावश्यक गर्भाशय निकालने, गैरजरूरी सर्जरी करने, धोखेबाजी करके किडनी निकालने, हृदय के धमनियों की सर्जरी के दौरान लगने वाले 'स्टेंट' अथवा एंजियोप्लास्टी में घपला करने, लिंग परीक्षण अथवा एबॉर्शन में पैसे ऐंठने, स्मार्ट कार्ड घोटाले में संलिप्तता और पैसों के भुगतान के आड़ में शव को बंधक बनाने जैसी खबरें सामने आई है।

आज आमधारणा यह बनती जा रही है डॉक्टर अपने कमीशन और अस्पतालों के भारी-भरकम खर्च जुटाने के लिए मरीजों की गैर जरूरी जांच कराते हैं अथवा भर्ती रखते हैं। इसी प्रकार लोगों का यह भी सोच बन चुका है कि डॉक्टर दवा कंपनियों से मिलने वाले उपहार या सैर-सपाटे के ऐवज में मरीजों को सस्ती दवाओं की जगह महंगे ब्रांडेड दवाएं लिखते हैं। हाल के दिनों में कुछ डॉक्टरों के आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त होने और फर्जी डिग्री व रजिस्ट्रेशन के आधार पर सर्जरी करने या प्रेक्टिस करने की भी खबरें सामने आई है जो बेहद चिंताजनक है। हालांकि डॉक्टरों के बारे में उपरोक्त ख़बरें और धारणाएं अर्धसत्य है बिलाशक आज भी अधिकांश चिकित्सक अपने पेशे और प्रतिष्ठा के प्रति काफी संजीदा हैं। लिहाजा महज चंद डॉक्टरों के अनैतिक गतिविधियों के चलते समूचे चिकित्सक बिरादरी को कठघरे में खड़ा करना अन्यायपूर्ण होगा। अधिकतर डॉक्टर अपने मरीजों के सेहत और जिंदगी के प्रति कितना फिक्रमंद हैं? इसका उदाहरण हमने बीते वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान देखा जब पूरी दुनिया अपने घरों में तालेबंद थी तब यही चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ दिन-रात हजारों मरीजों की सांसों की डोर थामने अपनी जान को दांव पर लगा रहे थे।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि डॉक्टरों की जिंदगी में अनेक ऐसे क्षण आते हैं जब कोई मरीज जिंदगी के लिए निर्णायक संघर्ष करते रहता है तब यह संघर्ष अकेले मरीज का ही नहीं होता है बल्कि इस संघर्ष का अहम हिस्सा उस डॉक्टर का होता है जो मरीज की जिंदगी के लिए खुद जद्दोजहद कर रहा होता है। बीमार को बीमारी और मौत के मुंह से लौटाकर उसे सेहतमंद बनाने और जिंदगी बचाने के असली मायने एक डॉक्टर से बेहतर कोई नहीं जान सकता। सच्चाई यह है कि हर डॉक्टर मरीज की जान बचाने और उसे तंदुरुस्त रखने की हरसंभव कोशिश करता है ऐसे में यदि किसी मरीज के साथ अनहोनी हो जाए तो चिकित्सक को दोषी ठहराना कतई उचित नहीं है। हालांकि अपवाद स्वरूप सच्चाई यह भी है कि कुछ मामलों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की लापरवाही और उदासीनता भी सामने आई है जिसके चलते मरीजों को अपने जान से हाथ धोना पड़ा है। इन विसंगतियों के मद्देनजर चिकित्सक संगठनों की भी जवाबदेही है कि वह चिकित्सा पेशे की धूमिल होती साख के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं ताकि इस पेशे की प्रतिष्ठा और शुचिता कायम रहे।

गौरतलब है कि देश की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था शुरूआत से ही उपेक्षा और बदहाली का शिकार रहा है। अभावों से जूझते सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में काम करने वाले चिकित्सकों और जूनियर डॉक्टर्स सीमित तनख्वाह में अपने परिवार से दूर 24 से 36 घंटे बीमार और गंदगी के बीच लगातार तीमारदारी में जुटे होते हैं। हाल के दिनों में काम के बोझ के चलते डॉक्टरों द्वारा खुदकुशी के मामले भी सामने आए हैं। दूसरी ओर सरकार डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को सुरक्षा देने में लगातार नाकाम रही है फलस्वरूप डॉक्टरों और अस्पतालों पर हमलों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चिकित्सा पेशे पर उठ रही उंगलियों के मद्देनजर अहम सवाल यह भी कि डॉक्टर भी समाज का ही हिस्सा है तथा उसकी भी पारिवारिक जिम्मेदारी और जरूरतें हैं लिहाजा नैतिकता और परोपकार की अपेक्षा केवल चिकित्सा बिरादरी से ही क्यों? आखिरकार वर्तमान भौतिकवादी दौर में डॉक्टरों को भी पैसों की जरूरत है। अलबत्ता पैसों की कमाई के तरीकों पर जरूर बहस होना चाहिए क्योंकि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के सेहत से जुड़ा मसला है। यदि कोई चिकित्सक अपनी योग्यता और कौशल के बल पर इस पेशे की शुचिता और शपथ के मर्यादा में पैसा कमाता है तो यह कतई अनैतिक नहीं है।

बहरहाल 'डॉक्टर्स-डे' की सार्थकता तब है जब चिकित्सक अपनी व्यवसायिक दायित्वों के प्रति सजग होकर अपने पेशे को महज कमाई का जरिया न मानते हुए इसे पीड़ित मानव के सेवा का माध्यम भी माने। डॉक्टरों को अपने उपचार की प्रक्रिया पर पूरी पारदर्शिता लानी होगी ताकि मरीज और परिजन उपचार के खर्च और परिणाम दोनों के प्रति आश्वस्त हो सकें। सरकार को भी बुनियादी स्वास्थ्यगत ढांचे को मजबूत करना होगा वहीं समाज से भी अपेक्षा है कि वह चिकित्सकों के प्रति संवेदनशील बनें। आखिरकार ईश्वर भले ही हमें जीवन देता है लेकिन गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा तो डॉक्टर ही करता है।

दिवस विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

आज 'थैंक्यू , डॉक्टर साहब!' कहिए तो याद कीजिए...

आज नेशनल डॉक्टर्स डे है यानी राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस। मरीजों के प्राण व स्वास्थ्य की रक्षा के प्रयत्नों में डॉक्टरों द्वारा प्रदर्शित समर्पण के लिए उनका सम्मान करने, उनके प्रति कृतज्ञता जताने और उन्हें धन्यवाद देने का दिन, जो 'भारतरत्न' से सम्मानित अपने वक्त के देश के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और बारह से ज्यादा वर्ष तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे डॉ. बिधानचंद्र रॉय की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल, यह दिन डॉ. बिधानचंद्र रॉय की जयंती भी है और पुण्यतिथि भी। 1882 में एक जुलाई को पटना के बांकीपुर में एक बंगाली कायस्थ परिवार में उनका जन्म हुआ था तो 1962 में एक जुलाई को ही निधन भी हुआ-उनके 80वें जन्मदिन पर। बहरहाल, राजनेता के रूप में काम करते हुए भी उन्होंने चिकित्सक के रूप में अपने दायित्वों के प्रति समर्पण में कोई कमी नहीं आने दी, जिसके चलते दूरदर्शी संस्था-निर्माता के रूप में सामने आये और आधुनिक भारतीय स्वास्थ्य सेवा व चिकित्सा शिक्षा के जनक माने जाने लगे। उन्होंने कलकत्ता में चित्तरंजन सेवा सदन, चित्तरंजन कैंसर अस्पताल, विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन और जादवपुर टी.बी. अस्पताल जैसे प्रमुख चिकित्सा संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही देश में चिकित्सा शिक्षा और पेशेवर मानकों के नियमन के लिए 1939 में भारतीय चिकित्सा परिषद की स्थापना की और उसके पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1928 में देश के डॉक्टरों को एक मंच पर लाने के लिए भारतीय चिकित्सा संघ (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) के गठन में भी उनका बहुत बड़ा योगदान था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने तो राज्य में स्वास्थ्य केंद्रों, प्रसूति केंद्रों, और कुष्ठ रोग क्लीनिकों का अभूतपूर्व विस्तार किया। मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी अनेकानेक व्यस्तताओं के बावजूद, वे प्रतिदिन दो घंटे गरीब मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सहायता और दवाइयां देते थे। इसलिए एक जुलाई को, जो उनकी जयंती भी है और पुण्यतिथि भी, नेशनल डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया और इस दिन उत्कृष्ट डॉक्टरों को सम्मानित किया जाने लगा। समय के साथ इस अवसर पर देश की पहली डिग्रीधारी महिला चिकित्सक आनंदीबाई गोपालराव जोशी और उनके संघर्षों को भी याद किया जाने लगा। 1885 में पुणे (महाराष्ट्र) की आनंदीबाई गोपालराव जोशी ने डॉक्टर बनने का संकल्प लिया तो उन्हें गुलामी के साथ पितृसत्ता की जाई नाना प्रकार की रूढ़ियों, संकीर्णताओं और परम्पराओं वगैरह का भारी भरकम बोझ भी उठाना पड़ा था। उन्होंने इंच-इंच संघर्ष कर सबको शिकस्त दी और देश की पहली डिग्रीधारी महिला डॉक्टर बनकर रहीं। अपने भीतर की मां को सदमे से उबारकर इस दृढ़ संकल्प तक पहुंचाया कि वे चिकित्सा विज्ञान पढ़कर डॉक्टर बनेंगी और अपने देखते किसी भी अन्य मां की गोद इस तरह सूनी नहीं होने देंगी। उन्होंने इस बाबत अपने पति गोपाल राव को बताया तो उन्होंने उसे पूरा करने में हर कदम पर उनका साथ देने का वचन दिया और उसे निभाया भी। उनका माता-पिता का दिया नाम यमुना था, जो विवाह के बाद एक परम्परा के तहत बदल दिया गया था और ससुराल वाले उन्हें आनंदीबाई कहकर पुकारने लगे थे। बाद में परम्परा के अनुसार अभिलेखों में उनके नाम के साथ पति का नाम जोड़ दिया गया तो उनका नाम आनंदीबाई गोपाल राव जोशी हो गया। अमेरिका में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी करके वे स्वदेश लौटीं तो कोल्हापुर रियासत द्वारा संचालित अल्बर्ट एडवर्ड अस्पताल के महिला वार्ड में प्रभारी चिकित्सक नियुक्त हुईं। लेकिन नियति ने इस मोड़ पर भी उनका ट्रेजेडी से सामना कराना ही तय कर रखा था। पद भार संभालने के कुछ ही दिनों बाद वे तपेदिक (टीबी) की शिकार हो गईं, जो उन दिनों तक सर्वथा लाइलाज बीमारी मानी जाती थी। अंततः 26 फरवरी, 1887 को महज 22 साल की उम्र में इस असाध्य बीमारी ने उनकी जान ले ली और जिस तरह उनकी गोद सूनी हुई थी, उस तरह किसी और मां की गोद सूनी न होने देने का उनका सपना सपना ही रह गया। उनके वक्त में मुम्बई की उनकी जैसी ही बाल-विवाह पीड़िता रखमाबाई राउत (22 नवम्बर, 1864 - 25 सितम्बर,1955) ने नाना विघ्न बाधाओं के बीच लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन फॉर वीमेन से स्नातक की पढ़ाई पूरी कर एमडी करनी चाही तो पाया कि वह संस्थान महिलाओं को एमडी ही नहीं करवाता। इसके चलते उन्हें ब्रसेल्स जाकर एमडी करनी पड़ी, जिसके बाद वे भारत की पहली महिला एमडी और पहली प्रैक्टिस करने वाली डॉक्टर बनीं। मुंबई के भीकाजी कामा अस्पताल में शुरुआती सेवाएं देने के बाद वे सूरत चली गईं और साढ़े तीन दशकों तक खुद को महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निदान के प्रयत्नों में झोंके रखा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

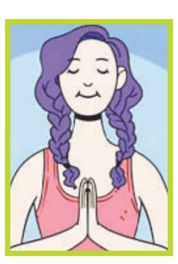

संकलित

दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

धन कमाने के साथ भक्ति भी करें

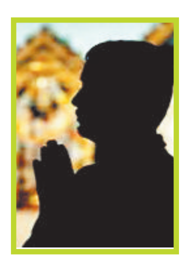

संकलित

प्रेरणा

एक दिन कबीरदास अपना काम कर रहे थे। काम करते समय वे भगवान का ध्यान भी कर लेते थे। पूरे दिन कबीरदास ऐसा ही करते थे। एक व्यक्ति उन्हें कई दिनों से देख रहा था। उसने कबीरदास से पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन आपको अलग से भक्ति करते हुए मैंने नहीं देखा। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं दूंगा, लेकिन अभी तुम मेरे साथ चलो। हम थोड़ा घूम आते हैं। रास्ते में उन्हें एक महिला दिखाई दी। वह महिला पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा मटका रखा था और वह अपनी मस्ती में गीत गाते हुए जा रही थी। उस महिला ने मटके को पकड़ा भी नहीं था। उसके सिर पर मटका स्थिर था और उसका पानी भी नहीं छलक रहा था। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये महिला पानी लेकर जा रही है। सिर पर मटका रखा है, लेकिन उसने मटके पकड़ा भी नहीं है और गीत गाते हुए जा रही है। इसका ध्यान अपने मटके पर है, गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। कबीर जी ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि इस महिला की तरह ही मैं भी काम करते-करते भगवान का ध्यान कर लेता हूं, भक्ति कर लेता हूं। दुनियादारी के काम करते हुए भी मेरा मन भगवान की भक्ति में ही लगा रहता है। मैं ये काम भी कर लेता हूं और भक्ति भी कर लेता हूं। ठीक इसी तरह जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। हमें धन भी कमाना चाहिए और भक्ति भी करते रहना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

कैसे साबित करें कि हम भारतीय हैं

आज के दिन भारतीयों के पास कोई ऐसा प्रमाण या प्रमाणपत्र नहीं है जिससे वो अपना भारतीय होना साबित करें। क्या यह अफसोस और शर्म की बात नहीं है। मैं 81 वर्ष पहले यहां पैदा हुआ, दो-तीन पीढ़ियां गुजर गईं और आज हमें कहा जा रहा है कि साबित करो तुम भारतीय हो। नागरिकता प्रमाणपत्र सबको नहीं मिलता, शायद उनको दिया जाता है जो यहां के पैदाइशी नहीं हैं या जो नागरिकता के लिए आवेदन करते हैं। अगर पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड और पैन कार्ड आदि नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं हैं, तो नागरिकता कैसे साबित करें। हाल में अदालत ने अपने फैसले में पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं माना। इसके बाद से नागरिकता प्रमाणपत्र को लेकर बहस छिड़ गई है।

- समीर भट्टाचार्य, बिलासपुर

ट्रेंड

आत्मनिर्भर भारत

उद्योगों के लिए पारदर्शी नीतियों, 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के ज़रिए हमारी सरकार मज़बूत औद्योगिक इकोसिस्टम बना रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' का मतलब है ऐसा भारत जो आत्मविश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

आयुष्मान आरोग्य मंदिर

1.5 अरब लोगों की आबादी के लिए, हमने 1.86 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए हैं, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के लिए मज़बूत आधार तैयार हुआ है। यहां हमने स्क्रीनिंग और बीमारी का जल्द पता लगाने वाली सेवाएँ शुरू की हैं।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

शिक्षा-परीक्षा प्रणाली

शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षाएं निष्पक्ष होंगी, तो तरक्की पक्की होगी। शिक्षा के कारण हिंदुस्तानी पहचान और इंसानियत खतरे में है। हम सकारात्मक शिक्षा लाएंगे और 'भाई-राष्ट्र' बनाएंगे। 'शिक्षा-परीक्षा प्रणाली' में बदलाव देश का भविष्य संवारेगा।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

युवा खिलाड़ी

आयरलैंड ने हमें बुरी तरह हरा दिया। आईपीएल में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाने वाले खिलाड़ी को बेंच पर बिठाना बेवकूफी है। कल अभिषेक शर्मा और वैभव से ओपनिंग करवाओ! इन युवा खिलाड़ियों को अपना जलवा दिखाने दो।

- सुनील गावस्कर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

करंट अफेयर

एआई से बने चेहरों को पहचानना अब पहले जितना आसान नहीं

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किए गए 'डीपफेक' चेहरे अब इतने वास्तविक दिखने लगे हैं कि वे अक्सर लोगों को धोखा दे देते हैं। कुछ शोध के अनुसार, 2027 तक डीपफेक से जुड़ी धोखाधड़ी का वार्षिक मूल्य 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। ज्यादातर लोगों के लिए एआई से बने चेहरों को पहचानना मुश्किल होता है। 2023 में हमें पता चला था कि कुछ एआई-निर्मित चेहरे इतने 'हाइपर-रियल' होते हैं कि वे वास्तविक इंसानी चेहरों से भी अधिक असली प्रतीत होते हैं। हमने यह भी पाया कि लोग अक्सर यह मानने में जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास दिखाते हैं कि वे एआई चेहरों की पहचान कर सकते हैं, जबकि सबसे अधिक आत्मविश्वासी लोग ही सबसे ज्यादा गलतियां करते हैं। डीपफेक का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर मौजूद तो हैं लेकिन वे यह नहीं बता पाते कि उन्होंने कैसे पता लगाया और उनमें कुछ बड़ी कमियां भी हैं। कुछ को तो बस तस्वीर का प्रारूप बदलकर जैसे पीएनजी से जेपीजी में बदलकर आसानी से धोखा दिया जा सकता है। हालांकि, यह भी सामने आया है कि अधिकतर लोग लगभग एक घंटे के अभ्यास से एआई-निर्मित चेहरों की पहचान करना सीख सकते हैं।

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। देशभर में लोगों के रक्त के नमूनों में विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4 .5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोट्रांस्मीटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत

रांची। झारखंड में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में दो महिलाओं और आठ वर्षीय एक बच्ची समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ये मौतें रांची, बोकारो, देवघर, दुमका, हजारीबाग, लातेहार और पलामू जिलों में हुईं। रांची जिले में अंगड़ा थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय एक किसान भागीरथ महतो, आलोक कुमार तुरी की पलामू में मवेशी चरा रहे एक व्यक्ति की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। इसी प्रकार हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र के खुटरा गांव में 36 वर्षीय एक महिला मजदूर और दो अन्य महिलाओं सहित एक बच्ची की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हो गई।

220 फुट गहरे बोरवेल में फंसा 'निर्भय', हर सांस पर टिकी उम्मीद

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। मंगलवार सुबह-सुबह खेलते समय एक 4 साल का बच्चा निर्भय सिंह खेत में बने 220 फुट गहरे बोरवेल में जा गिरा। परिवार ने उसकी आवाज सुनी और फौरन मदद के लिए चीख पुकार मचाई, जिसके बाद तुरंत एक बड़ा बचाव अभियान शुरू हो गया। बचाव टीमों ने बच्चे की हालत स्थिर होने की पुष्टि की राज्य आपदा राहत प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा राहत प्रतिक्रिया बल और भारतीय सेना की कई टीमें स्थानीय उपायुक्त की अगुवाई में मौके पर पहुंच गई हैं। कैमरों की मदद से उन्होंने पुष्टि की है कि निर्भय अभी जिंदा है और उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। बचाव दल उसे सुरक्षित बाहर निकालने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। उसे खाने-पीने के जरूरी सामान भी पहुंचा रहे हैं। इस घटना ने लोगों को साल 2006 के उस मामले की याद दिला दी है, जब कई दिनों तक जमीन के नीचे फंसे रहने के बाद एक और छोटे लड़के को बचाया गया था।

मां की उपेक्षा करने पर कोर्ट ने रद्द किया बेटे का संपत्ति का तोहफा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे को दी गई संपत्ति का गिफ्ट रद्द कर दिया था। अदालत ने यह फैसला इसलिए दिया, क्योंकि बेटे ने अपनी मां की देखभाल नहीं की थी। महिला ने साल 2011 में अपने बेटे को परिवार की संपत्ति दे दी थी। उन्हें उम्मीद थी कि बेटा उनकी देखभाल करेगा, लेकिन जब बेटे ने ऐसा नहीं किया, तो बुजुर्ग महिला ने मदद के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत कार्रवाई की। यह कानून बुजुर्गों को उपेक्षा से बचाने और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। दरअसल, उनकी बेटी ही अपनी मां की जरूरतों का पूरा ध्यान रख रही थी और आगे भी उनकी देखभाल करने का भरोसा दिया था। बेटे ने अपनी मां को कुछ पैसे और रहने के लिए जगह देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन अदालत ने इसे काफी नहीं माना। जस्टिस वेंकटेश्वरलू निम्मागड्डा ने साफ कहा कि बुजुर्गों को सिर्फ वादे नहीं, बल्कि असल में सहारा और इज्जत चाहिए होती है। इसी वजह से वह संपत्ति वापस मां को लौटा दी गई।

दोहा वार्ता पर संकट

ट्रंप के दावे पर ईरान ने दिया जवाब अमेरिका के साथ कोई बैठक तय नहीं

एजेंसी ▶▶| तेहरान

कतर में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जोर देकर कहा है कि तेहरान के साथ दोहा में बातचीत होगी। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बैठक का अनुरोध किया है, लेकिन तेहरान ने इस बात से इनकार कर दिया है। तेहरान ने कहा है कि ऐसी कोई बैठक तय नहीं हुई है। इस बयान ने दोनों देशों के बीच नाजुक शांति समझौते पर संकट गहरा कर दिया है।

मंगलवार को कतर में होनी थी बैठक

इससे पूर्व सोमवार को वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान से जुड़ी बातचीत कतर में होने वाली है। उन्होंने जोर दिया कि इसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित होगा। उन्होंने कहा, कल (मंगलवार) को दोहा में इस पर एक बैठक होगी। हम नहीं चाहते कि उनके पास परमाणु हथियार हों और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने ईमानदारी से इस बात पर सहमति जताई है।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का दावा

इसके पहले ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि ईरान ने बैठक का अनुरोध किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी स्तर पर कोई बातचीत नहीं होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव

यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान चार महीने के लंबे संघर्ष के बाद इसी महीने हुए शांति समझौते को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच स्विटजरलैंड में हुई बातचीत के दौरान युद्ध को खत्म करने के लिए एक डील पर सहमति बनी थी। लेकिन कुछ ही दिनों बाद अमेरिका-ईरान के बीच बमबारी हो गई।

अमेरिका और ईरान की टीमें जा रहीं दोहा

बातचीत को लेकर अनिश्चितता के बीच पहले सामने आया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर दोहा जा रहे हैं और वहां ईरानी प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे। ईरान का एक तकनीकी प्रतिनिधिमंडल दोहा जा रहा है। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस यात्रा का अमेरिकी अधिकारियों की मौजूदगी से कोई लेना-देना नहीं है।

अमरीका सुधरे तो बैठक की संभावना ईरानी अधिकारी

ईरान के बातचीत से इनकार के बावजूद रॉयटर्स ने तेहरान के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि दोहा में बैठक हो सकती है लेकिन उससे पूर्व अमेरिका को अपने बर्ताव में सुधार लाना होगा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बुधवार को अमेरिकी और ईरानी तकनीकी टीमों की कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के साथ अलग-अलग बैठक होने की उम्मीद है।

रिश्वत लेते समय अधिकारी के साथ मौजूद रहना आपराधिक साजिश में शामिल होना नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल इस आधार पर कि कोई लोक सेवक उस स्थान पर मौजूद था जहां कथित रूप से रिश्वत ली गई, उसके खिलाफ आपराधिक साजिश (क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी) का आरोप सिद्ध नहीं किया जा सकता।

अदालत ने स्पष्ट किया कि साजिश साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष को ठोस साक्ष्यों के माध्यम से यह दिखाना होगा कि आरोपियों के बीच पहले से 'मीटिंग ऑफ माइंड्स' (पूर्व सहमति) थी। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दायर अपीलों को खारिज करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें तीन केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों को बरी किया गया था।

पूर्व सहमति थी यह साबित करने अभियोजन पक्ष को रखना होगा ठोस साक्ष्य

अभियोजन पक्ष टेप रिकॉर्डिंग नहीं कर सका पेश

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि अभियोजन पक्ष उस टेप रिकॉर्डिंग को पेश नहीं कर सका, जिसमें शिकायतकर्ता के अनुसार रिश्वत की मांग दर्ज थी। अदालत ने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को प्रस्तुत न करने पर अभियोजन के खिलाफ प्रतिकूल अनुमान लगाया जा सकता है। इन सभी तथ्यों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज करते हुए तीनों अधिकारियों की बरी होने के फैसले को बरकरार रखा

मामला सीबीआई ट्रैप से जुड़ा है

मामला वर्ष 1995 के सीबीआई ट्रैप से जुड़ा है। आरोप था कि तत्कालीन सेंट्रल एक्साइज सुपरिंटेंडेंट आर.के. श्रीवास्तव ने एक फैक्ट्री से जब्त दस्तावेज लौटाने के बदले 80,000 रिश्वत की मांग की थी। अभियोजन का दावा था कि इंस्पेक्टर ए.के. गाबा, आलोक गुप्ता और दुष्यंत कुमार भी इस साजिश का हिस्सा थे क्योंकि वे कथित रिश्वत मांगने या लेने के दौरान मौके पर मौजूद थे। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व आपराधिक साजिश के तहत दोषी ठहराया था। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह कहते हुए उन्हें बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग, स्वीकार करने और साजिश को साबित करने में विफल रहा।

साजिश तभी जब पूर्व सहमति हो सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि सिर्फ संदेह, संबंध या मौके पर मौजूदगी के आधार पर आपराधिक साजिश का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। अदालत ने कहा कि साजिश तभी सिद्ध होगी जब आरोपियों के बीच किसी अवैध कार्य को अंजाम देने के लिए पूर्व सहमति और साझा आपराधिक मंशा के ठोस प्रमाण हों।

अधिकारियों की साजिश दिखाने में अभियोजन पक्ष विफल

पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह दिखाने में पूरी तरह विफल रहा कि तीनों अधिकारियों और मुख्य आरोपी आर.के. श्रीवास्तव के बीच पहले से कोई समझौता या साझा योजना थी। अदालत ने यह भी कहा कि रिश्वत की मांग का मुख्य आरोप केवल आर.के. श्रीवास्तव पर था और अन्य अधिकारियों की सक्रिय भूमिका का कोई स्वतंत्र साक्ष्य रिकॉर्ड पर नहीं है।

भारत की नई कूटनीतिक पहल

पड़ोसी देशों में राजनीतिक दिग्गजों को सौंपी जाएगी अहम जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत सरकार ने अपने पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक रूप से और मजबूत करने की एक व्यापक योजना तैयार की है। बताया जा रहा है कि इसके तहत आठ से नौ महत्वपूर्ण देशों में राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले वरिष्ठ नेताओं को उच्चायुक्त या राजनीतिक दूत नियुक्त किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत सरकार पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को और रिश्तों को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

बांग्लादेश की तर्ज पर होंगी नियुक्तियां

सरकार ने इस नई कूटनीतिक रणनीति को धरातल पर उतारने के लिए सबसे पहला कदम उठाते हुए वरिष्ठ नेता दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश की तरह ही नेपाल और श्रीलंका जैसे रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ोसी मुल्कों में भी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले कद्दावर चेहरों को प्रतिनिधियों की नियुक्ति की तैयारियां की जा रही है।

'नेबरहुड फर्स्ट' नीति को मिलेगी नई ताकत

इस पूरे कूटनीतिक बदलाव का एकमात्र उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'नेबरहुड फर्स्ट' यानी 'पड़ोसी पहले' की विदेश नीति को और ज्यादा आक्रामक तथा प्रभावी बनाना है। सरकार का मानना है कि जिन नेताओं के पास अंतरराष्ट्रीय मामलों और विशेष रूप से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की गहरी समझ है, वो भारत के रणनीतिक हितों को ज्यादा मजबूती से आगे बढ़ा सकेंगे और विपरीत वैश्विक परिस्थितियों में देश के संदेश को सही ढंग से पड़ोसी देशों तक पहुंचा सकेंगे।

निप्रो, जपोरीजिया, खार्कीव में रूसी हमलों से भारी नुकसान

रूस ने यूक्रेन के औद्योगिक शहरों में की बमबारी, 12 मरे, दर्जनों घायल

कीव। रूस के यूक्रेन पर हुए हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। सोमवार दिन में ये हमले तब हुए जब लोग घरों से बाहर खुले में मौजूद थे। इसलिए इन हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच यूक्रेन के हमलों की चपेट में रूस की कई रिफायनरियों, तेल-गैस गोदाम और तेल-गैस पाइपलाइनों के निशाने पर आने से मास्को सहित रूस के शहरों में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट पैदा हो गया और निर्यात बाधित हो गया है। इन हमलों से यूक्रेन का जान-माल, दोनों का नुकसान हुआ है। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस नागरिक ठिकानों को निशाना बनाकर निर्दोष लोगों को मार रहा है।

- यूक्रेन के पलटवार से रूस में ईंधन का संकट गहराया

तीनों यूक्रेन के प्रमुख औद्योगिक शहर

रूस ने यूक्रेन के निप्रो शहर पर मिसाइल से हमला किया। हमले में छह लोग मारे गए और 29 घायल हुए हैं। हमले की चपेट में मिनी बस के आने से इतने लोग मरे और घायल हुए हैं। जबकि यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया के हिस्से में रूसी हमलों में तीन लोग मारे गए और आठ घायल हुए हैं। खार्कीव में भी रूसी हमले में एक युवती की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। जिन शहरों पर हमले हुए हैं, तीनों ही यूक्रेन के प्रमुख औद्योगिक शहर हैं।

निहंगों ने तोड़े पुलिस बैरिकेड्स

मोहाली गुरुद्वारे में जमानत जश्न बना अखाड़ा, निहंगों में हुई झड़प

एजेंसी ▶▶| मोहाली

मोहाली के गुरुद्वारा सिंह शहीदन में माहौल तब तनावपूर्ण हो गया, जब 4 निहंग सिखों की जमानत का जश्न मनाया जा रहा था। इसी दौरान वहां झड़प हो गई। ये चारों निहंग हाल ही में कर्णप्रयाग मामले में जमानत पर रिहा हुए थे। पुलिस ने तुरंत दखल देकर हालात पर काबू पाया। फिलहाल कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन डीसीपी हरसिमरत सिंह चेत्रा का कहना है कि जरूरत पड़ने पर कार्रवाई जरूर की जाएगी।

पुराना विवाद झड़प की वजह

गुरुद्वारे के प्रमुख हरजिंदर सिंह बैदवान के मुताबिक, निहंग सिखों के बीच चले आ रहे पुराने विवादों ने इस झड़प को और भड़का दिया। वैसे भी, गुरुवार देर रात कुलहल चेकपॉइंट पर हुए एक हालिया विरोध प्रदर्शन के बाद से ही माहौल गरमाया हुआ था। उस दौरान कुछ निहंगों ने पुलिस बैरिकेड्स भी तोड़ दिए थे, जिसके बाद उनके पूरे रास्ते में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। इन्हीं सब कारणों की वजह से, जो खुशी का मौका था, उसमें भी तनाव साफ झलक रहा था।

छेड़खानी का विरोध करना पड़ा भारी

पुलिस की गाड़ी से खींचकर युवक की हत्या, 3 सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| जमशेदपुर

झारखंड के जमशेदपुर में छेड़खानी का विरोध करना एक युवक को बहुत भारी पड़ गया, जिसका खामियाजा उसे अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। बिष्टुपुर इलाके के एक बार में हुए विवाद के बाद बदमाशों ने पुलिस की गाड़ी से दो युवकों को खींचकर उन पर हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल हिमांशु सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे शहर में आक्रोश फैल गया। आक्रोश को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में मौजूद एक बार में कथित तौर पर महिलाओं से छेड़खानी की घटना हुई। हिमांशु सिंह और उनके एक साथी ने उसका विरोध किया। विरोध के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद बढ़ गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अपने वाहन में बैठा लिया।

इसी दौरान हमलावरों ने दोनों युवकों को पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी से बाहर खींच लिया और उन पर हमला कर दिया जिसमें एक की मौत हो गई।

इलाके में तनाव 10 पर मामला दर्ज

हिमांशु सिंह की मौत की खबर फैलते ही सैकड़ों लोग बिष्टुपुर गोलचक्कर पर जमा हो गए और बड़े पैमाने पर सड़क जाम कर दी। वहीं इस मामले में पुलिस ने बार मालिक सहित कुल 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

केरलम में फर्जी पहचान पत्र के साथ 3 बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोझिकोड

केरलम पुलिस ने हाल ही में कोझिकोड के मावूर इलाके में बने प्रवासी श्रमिकों के एक कैंप में अचानक छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने 3 बांग्लादेशी लोगों को पकड़ा, जिनके पास भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस को इनके पास से फर्जी पहचान पत्र मिले, जिससे उनकी पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के तौर पर हुई। पुलिस टीम की अगुवाई स्टेशन हाउस ऑफिसर मोहम्मद रफीक कर रहे थे।

- जांच में जुटी पुलिस

पुलिस कर रही है फोन की जांच

पकड़े गए लोगों के नाम मोहम्मद वूला हुसैन, मोहम्मद हसन अली और मोहम्मद मेहदी हसन बताए गए हैं। ये तीनों करीब 20 दिनों से मावूर में रह रहे थे। यहां वे निर्माण कार्यों में लगे थे और किराए के मकानों में ठहरते थे। अब पुलिस उनके मोबाइल फोन खंगाल रही है, ताकि पता चल सके कि वे भारत में कैसे दाखिल हुए और कहीं उनका संबंध किसी बड़े अवैध अप्रवासन नेटवर्क से तो नहीं है। इन गिरफ्तारियों के बाद प्रशासन ने पूरे इलाके के श्रमिक कैंपों में जांच-पडताल बढ़ा दी है, ताकि बिना सही कागजात के रह रहे अन्य लोगों को भी पकड़ा जा सके।

विरोध प्रदर्शन ने बढ़ाई पाक की परेशानी, सड़कों पर उतरे हजारों लोग

राशन की नाकेबंदी से पाक पर भड़के पीओके के लोग, बोले- भारत की सीमा खोल देंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पीओके में जेएएसी के नेतृत्व में लोग सस्ते राशन, बिजली, पानी, बेहतर सड़कें, रोजगार और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा इस महीने की शुरुआत में जेएएसी पर आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगाने के बावजूद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। पीओके के दौरान आंदोलनकारी नेता अमन खान ने कहा है कि वे किसी भी डिक्टेटर या उसके शासन को नहीं मानते हैं। स्थानीय नेताओं ने अब सीधे तौर पर भारत के साथ संबंध बहाल करने और नियंत्रण रेखा की सीमाएं खोलने की चेतावनी दे दी है। वहीं, इस्लामाबाद ने पूरे आंदोलन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा' बताकर दबाने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से खाद्यान्न, ईंधन और दवाइयों की आपूर्ति जानबूझकर रोकी जा रही है।

रावलकोट के ऐतिहासिक ईदगाह मैदान में जुटे हजारों प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई, तो वे पीओके की भारत सहित सभी सीमाएं खोल देंगे। विरोध प्रदर्शन

खाद्य आपूर्ति की नाकाबंदी से भड़के लोग

एक सभा को संबोधित करते हुए स्थानीय आंदोलनकारी नेता अमन खान ने पाकिस्तान सरकार की दमनकारी नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा- इस्लामाबाद जानबूझकर इस क्षेत्र में जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति को रोक रहा है। क्षेत्र में आटे, बिजली और बुनियादी सुविधाओं की भारी किल्लत और आसमान छूती कीमतों के कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है, जिसके चलते अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया गया है।

पीओके को पाक की जरूरत नहीं : जेएएसी

आंदोलनकारी नेता अमन खान ने अपने भाषण में एक बेहद संवेदनशील और रणनीतिक चेतावनी देते हुए कहा कहा कि पीओके के लोगों को पाकिस्तानी सरकार की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को पीओके की जरूरत है। अगर पाकिस्तानी सरकार ने खाद्य आपूर्ति को रोकना जारी रखा, तो सीमाएं भारत की तरफ खुल सकती हैं और पाकिस्तान को यहां के लोगों से यहीं रुकने के लिए भीख मांगनी पड़ेगी।

एलओसी पर 9 जून से जारी हैं विरोध प्रदर्शन : रावलकोट में उपजा यह जन-आक्रोश कोई तात्कालिक घटना नहीं है। प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह बीते 9 जून से लगातार नियंत्रण रेखा के पास धरने पर बैठा हुआ है। इस धरने में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और नागरिक समाज के संगठनों की भारी भागीदारी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

पांच महिलाएं सरयू नदी में डूबीं, तीन शव बरामद

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंगलवार को 5 महिलाएं सरयू नदी में डूब गईं। मृतकों में 3 किशोरियां और 2 महिलाएं शामिल हैं। अभी 3 लोगों के शव मिले हैं। हादसा रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव दल की मदद से 3 लोगों को बाहर निकाला था, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। अभी 2 लोगों को ढूंढने का अभियान चल रहा है। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। अभी तक सजरुल, साहिन बानो और मरियम का शव बरामद कर लिया गया है। उनके साथ नदी में गईं नरगिस और महक बानो लापता हैं। उनके शव ढूंढने के लिए पुलिस, गोताखोरों और स्थानीय लोग अभियान चला रहे हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। तीनों के शवों को अस्पताल भेजा गया है।

नदी में नहाने नहीं देखने गईं थी महिलाएं

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया है कि सभी महिलाएं नदी में नहाने नहीं बल्कि उसे देखने गए थे। अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नदी में गिर गए। जिस जगह वे गिरे थे, वहां पानी काफी गहरा था और बहाव होने की वजह से वे आगे तक चले गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन बहाव तेज होने की वजह से सफलता नहीं मिली।

सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल

1 JULY HAPPY DOCTORS' DAY

डॉक्टर्स को नमन...

डॉक्टर्स डे की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

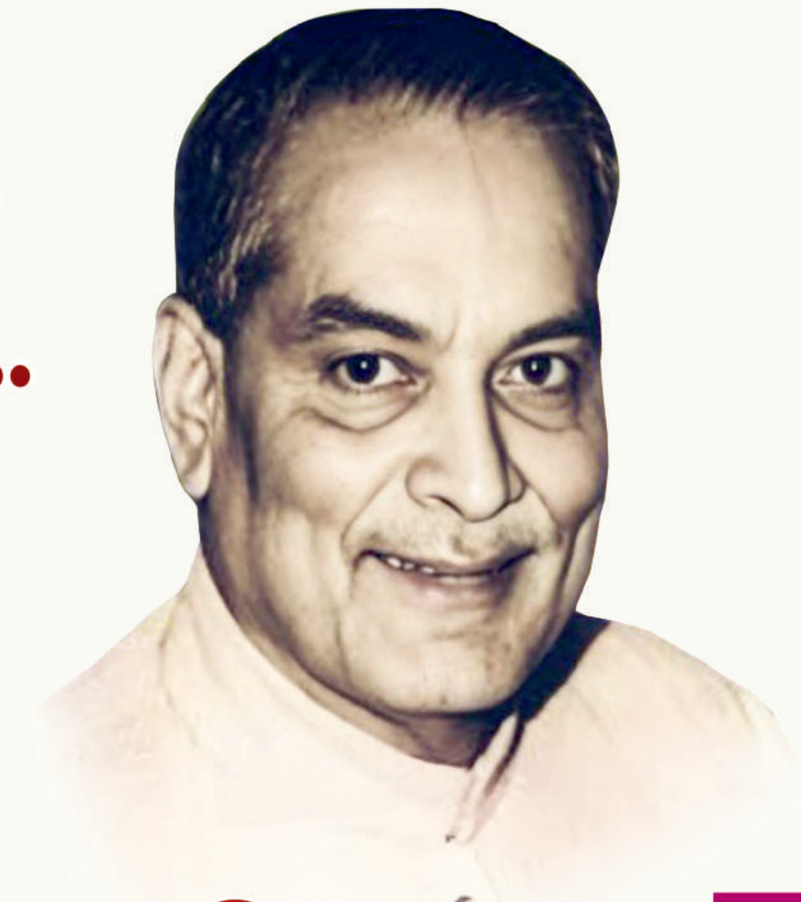

डॉ. बिधान चंद्र रॉय
जुलाई 1, 1882 - जुलाई 1, 1962

डॉ. राय के पुण्य स्मरण का दिन हैं : डॉक्टर्स-डे

भारत में हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह दिन चिकित्सा जगत के महान नायक डॉ. बिधान चंद्र रॉय को श्रद्धांजलि देने और समाज में डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा, समर्पण और अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने के लिए समर्पित है। चिकित्सा को एक महान पेशे से बढ़कर "ईश्वर का दूसरा रूप" माना जाता है। एक डॉक्टर केवल बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि वह मरीजों और उनके परिवारों को एक नई उम्मीद, साहस और जीवनदान देता है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का इतिहास

डॉ. बी.सी. रॉय का योगदान: यह दिन भारत के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय (Dr. B.C. Roy) की जयंती और पुण्यतिथि (1 जुलाई) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। शुरुआत: भारत में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस की शुरुआत पहली बार वर्ष 1991 में की गई थी।

चिकित्सा पेशे का महत्व और सम्मान

निःस्वार्थ सेवा: संकट और महामारी (जैसे कोरोना) के समय में भी डॉक्टर अपनी जान की परवाह किए बिना चौबीसों घंटे मरीजों की सेवा में तत्पर रहते हैं। जीवन रक्षक: विज्ञान और तकनीक के इस युग में, एक डॉक्टर का स्पर्श और अनुभव ही मरते हुए इंसान में जीने की इच्छा जगाता है। चिकित्सा को सम्मान: चिकित्सा को सिर्फ एक व्यवसाय न मानकर, इसे मानवता की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। डॉक्टर का पेशा धैर्य, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है।

समाज की भूमिका और आभार : कृतज्ञता: समाज को हमेशा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने वाले इन रक्षकों का सम्मान करना चाहिए। सहयोग: डॉक्टरों के साथ सही व्यवहार करके, उनके निर्देशों का पालन करके और उनके अथक प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद करके हम चिकित्सकों का हम सम्मान कर सकते है।

कला जगत

डा. नीलकंठ देवांगन

नाचा में परी अपनी भूमिका से सिर्फ मनोरंजन नहीं, लोक दर्शन भी कराते हैं

नाचा छत्तीसगढ़ का लोक नाट्य है। प्रहसन और व्यंग नाचा के प्रमुख स्वर हैं। नाचा द्वारा किसी घटना या बात को तुरंत प्रस्तुत किया जाता है। नाचा के कलाकार अपने चेहरे एवं हाथों का सबसे अधिक इस्तेमाल करते हैं। यह अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त पक्ष है। इसमें जोकर का किरदार निभाने वाला हास्य कलाकार ही नायक होते हैं जो दर्शकों को भाव विह्वल कर देते हैं। नाचा सुखांत व दुखांत होते हैं। इसमें परी एक बेहद आकर्षक महिला किरदार होती है। नाचा के दौरान

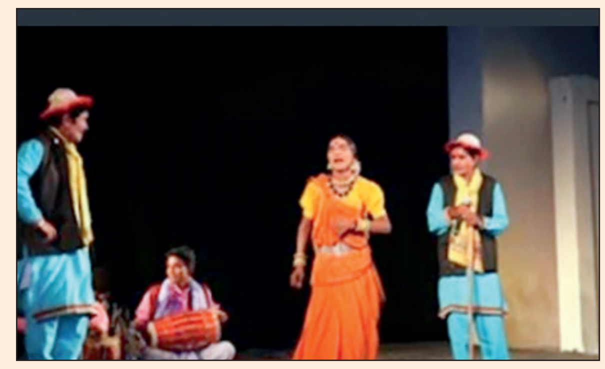

उसका काम नाच - गाने के जरिये दर्शकों का मनोरंजन करना और जोकर के साथ मिलकर चुटीले संवाद बोलना होता है। संगीत, प्रहसन व नृत्य तीनों का संतुलन इसे लोकप्रिय बनाता है। यह गांवों एवं कस्बों में प्रचलित प्रभावी मंचीय कला है। हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं। यह रतजगा होता है। नाचा में बरसन साज, हरडुवा साज, ठुठुवा साज, मंदराजी साज आदि प्रसिद्ध हैं। नाट्य निर्देशक हबीब तनवीर ने तो नाचा ' चरण दास चोर ' के माध्यम से यहां के कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। मदन निषाद व ठाकुर राम की पहचान नाचा से ही हुई। छत्तीसगढ़ी नाचा और गम्मत हमारी धरोहर हैं।

लोक साहित्य

छगनलाल सोनी

पाठक मन के समझ लइक लेखन होही तभे येहा सार्थक रही

जीवन म लेखन के सार बात के कलमकारी ये हे कि पढे के संगे संग कढ़े के अनुभव ले जेन साहित्य रचे जाथे उही ह लोगन के मन ल मोहे अउ जीते के काम करथे। अपन पाठक के मन ल समझना हर साहित्यकार ल जरुरी हे - अपन सुधार होही तभे तो समाज अउ बेवस्था में सुधार लाय के काम हम कर सकबो। अपन भाषा, अपन बोली, अपन घर द्वार तक अपन साहित्य ल रूधना नी चाही। विचार बूंद नोहे वो तो सागर आए वोला लहरावन दो। विचार सुरुज आए वोला चढ़न दो, लकलकावन दो तभे मंझनिया खर होही। जइसे हमन पढ़े के आदत बनाबो, ज्ञान ल बढ़ाबो तइसे तइसे हमर भीतर के गुरु ह जागही। तभे हमर भाषा साहित्य के विस्तार होही। आज संचार के ज्ञान विज्ञान ले दुनिया छोटे होगे हे। हमला बांध के अउ छोटे नी करना हे। छत्तीसगढ़ी लिखईया ल हिन्दी अउ दूसर भाषा ले चिढ़ परहेज नई होना चाही। एक भाषा ह दूसर भाषा के अनुवाद के काम आथे। उही पाय के सब भाषा के सम्मान करना चाही। भाषा, बोली भले अपन हो जाए, फेर साहित्य तो सबके होथे। सूरज अउ चंदा के अंजोर कस साहित्य के अंजोर तक बगरना चाही, तभे साहित्य के जनता म चिन्हारी हो पाही।

परम्परा

पवन यादव 'पहुना'

सामाजिक कार्यों में सहयोग करने वाला होता डीहवार

समान विचारधारा के मानव के समुच्चय को समाज कहा जाता है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में घर परिवार में सुख - दुख के चाहे कोई भी कार्यक्रम हो। सामाजिकता के ढंग से संपन्न करने के लिए गोत्रज लोगो के साथ डीहवार को जरुर बुलाया जाता है। उसके बिना कोई कार्य संपन्न नहीं होता। जैसे एक गोत्र के लोग गोतियार कहलाते है उसी तरह एक डीह - डोंगर वाले देवता-धामी के मानने वाले डीहवार कहलाते हैं। इनकी घर- परिवार में डीह (देहरी) से लेकर देवता खोली तक बनी रहती है। हमारे छत्तीसगढ़ के सामाजिक परंपरा मे डीहवार का एक महत्वपूर्ण स्थान है। एक ही जाति का एक समुच्चय पार कहलाता है। जो कई पारों में हो सकता है। गोतियार व डीहवार वह पार में हो सकते हैं लेकिन सामाजिक कार्य होने पर डीहवार उपस्थिति में ही कार्य पूर्ण होता है। इसलिए उन्हें बड़े सम्मान के साथ पहले नेवता दिया जाता है। आधुनिक समय में डीहवार का मदद लेना लोग कम रहे हैं, जिससे सामाजिक बंधन से लोग दूर होते जा रहे हैं।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

गरियाबंद वनांचल में राम वन गमन मार्ग

पौराणिक

गौकरण मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ का गरियाबंद जिला आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण है। जहां अनेक पर्यटन धार्मिक स्थलों पर नैसर्गिक सौंदर्यता का वातावरण आस्था और मान्यताओं की पहचान छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जाना पहचाना जाता है।

अनेक संत महात्माओं की यह तपोभूमि रही है, जो पुराणों और शास्त्रों में वर्णित है। साथ ही दस कुंड,

जामवंत गुफा और भगवान राम का इतिहास का भी जिक्र गजेटियर में किया गया है। ऐसे ही वर्णन हमारे विद्वानों और संतों और शोधकर्ताओं ने रामचरितमानस वर्णित भगवान राम सीता और लक्ष्मण जी का छत्तीसगढ़ में जहां जहां भगवान गये उन स्थलों को चिन्हांकित किया गया है, जिसे राम वन गमन मार्ग घोषित कर चौदह स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, इनमें धार्मिक एवं पर्यटन स्थल घटारानी जतमाई और झरझरा मंदिर के जंगलों के आसपास पानी का दस कुण्ड है जो लगभग 27 कि मी में छः कोस की दूरी पर स्थित है। शोधकर्ताओं के अनुसार कि भगवान राम लक्ष्मण और सीता माता जब बनवास काल में आए थे, तो प्यास लगने के कारण जगह जगह गड्ढा खोदकर प्यास बुझाये,यही गड्ढे अब कुण्ड के नाम से चर्चित है।जिसे जामपानी, सेम्हर पानी, सुरूंगपानी, कुंडेरापानी, कुर्रुपानी, गोंदला पानी, छुहीपानी, कुसुम पानी, खोखो पानी और अग्नि पानी नाम से जाना जाता है।

पर्यटन : डा. डी. पी. देशमुख

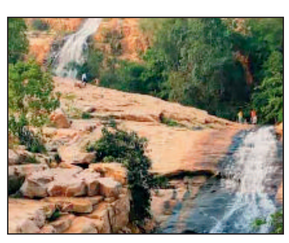

पर्वत मालाओं से घिरा खूबसूरत नजारा

नगरदा जलप्रपात

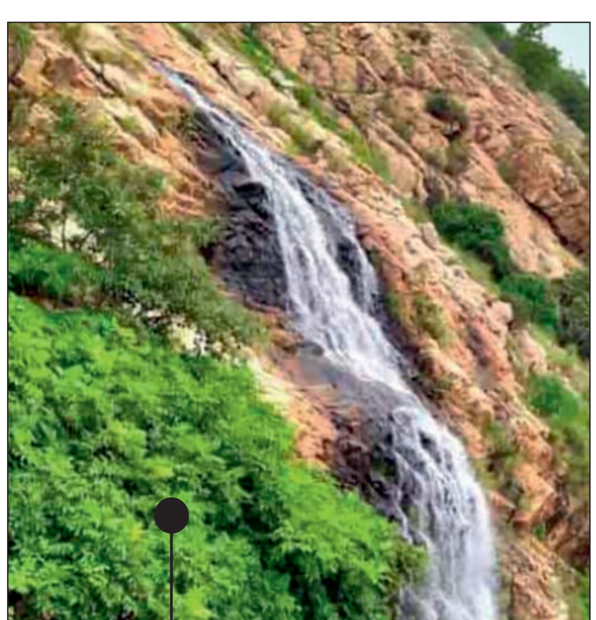

जिला सक्ती के नगरदा ग्राम के निकट ही गुड़हा पहाड़ी पर अवस्थित प्रसिद्ध नगरदा जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली से परिपूर्ण बेहद खूबसूरत झरना है। इसे झोरझोरा या गुड़हा जलप्रपात भी कहा जाता है।जिला मुख्यालय सक्ती से 22 कि.मी.,बाराद्वार से 15 कि.मी. दूरी पर नगरदा गांव से 3 कि.मी.पर चारों ओर से पहाड़ों से घिरा यहां का दूध की धार के समान बहता जलधारा अत्यंत ही मनोरम दृश्य उत्पन्न करता है, हरे भरे पेड़-पौधों के बीच यह जलप्रपात अपनी अलग ही खूबसूरती बिखेरता है। लगभग 40 से 50 फीट ऊंची पहाड़ से पानी की गर्जना भयावह होते हुए भी दर्शकों के लिए जिज्ञासा एवं कोतुहल का दृश्य होता है,ऐसा नजारा देखने मात्रा से ही सारी थकानें व डर दूर हो जाती है। यहाँ का मनोरम दृश्य स्मृति पटल पर सुखद अंदाज में कैद हो जाता है। यह जलप्रपात इस क्षेत्र के नैसर्गिक सौंदर्य स्थलों में से एक एवं प्रकृति का अनमोल उपहार है। पहाड़ियों और हरी-भरी वादियों से घिरा इस जलप्रपात की सुंदरता बरसात के दिनों में चरम पर होती है,जब पानी तेजी से बहता है तब यहां तीन झरने प्रवाहित होती है,जिसमें मध्य वाला झरना फव्वारे जैसा गिरता है। पिकनिक मनाने,नहाने और प्रकृति भ्रमण के लिए यह लोकप्रिय स्पाट है।झरने के नीचे प्राचीन शिवजी का मंदिर है, धार्मिक आस्था वाले आगंतुकों के लिए यह जगह पूजा-अर्चना करने व शांति प्राप्त करने का महत्वपूर्ण धर्म स्थल भी है।

सुरता

कमल नारायण

कई विधाओं में दक्ष रहे गुरु मनोहर दास नृसिंह

गुरु मनोहर दास जी का जन्म आजीविका के लिए असम में बस चुके सुखीराम सतनामी के यहां ग्राम बॉसबेरा जिला तेजपुर के सम्पन्न परिवार में 1919 को हुआ। असमिया भाषा में आपने तीसरी कक्षा तक शिक्षा ग्रहण की। मनोहर दास जी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान हिन्दी पढ़ना लिखना सीखा और 1950 से यहां स्थाई रूप से रहने लगे। आप सफल चित्रकार, मूर्तिकार, नाटककार, बढ़ई, दर्जी, सुनारी, राजगिरी, लेखक, कवि और समाज सुधार जैसी बहुमुखी विधाओं में आप दक्ष हुए। समाज में व्याप्त कुरीतियों से विचलित होकर उन्हें दूर करने, छत्तीसगढ़ी में रचना का प्रकाशन और उन्हें वितरित करना इसमें आपकी विशेष पहचान बनी। 1962-63 में गुरु घासीदास बाबा पर शोध कार्य करते हुए 1968 में गुरु

घासीदास बाबा नामक ग्रन्थ का तीन भागों में प्रकाशन कराए। सरल दोहे और चौपाई में भक्त नामावली सहित 56 पुस्तकें लिखी। आपकी विशेष उपलब्धि रही जिसमें आपको छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गुरु घासी दास सम्मान से नवाजा गया। 20 दिसम्बर 2001 को इस संसार से आप विदा हो गए।

आस्था : श्रीमती आशा ध्रुव

आदिवासी अंचलों में वर्षा ऋतु के आगमन पर संजोरी बिंदरी

वर्षा ऋतु के आगमन पर आदिवासी अंचलों में संजोरी बिंदरी पूजा की जाती है। वर्षा प्रारम्भ होने पर खेत खलिहानों में यह पूजा जेठ माह की पूर्णिमा या सुविधानुसार अमावस्या के दिन किया जाता है। गांव के पूर्व दिशा में जहां खिला मुठवा, कुंवारा भीमाल पेन, माता दाई, पंडरी पुंगार आदि देवताओं का ठाना होता है, उस स्थल में सभी ग्रामवासी पूजा करते हैं। इसके बाद गांव से एकत्र किए गए अनाज को पकाया जाता है। पूजा स्थल पर छोटा सा गड्ढा खोद कर उसे कोठी का रूप दिया जाता है, उस कोठी में अनाज भर कर पूजा की जाती है। उसी अनाज को पलाश की पत्तियों में डाल कर पुड़यि बनाते हैं इन पुड़यिों को गांव के हर घर में वितरित किया जाता है। पूजा होने के बाद सामूहिक भोज का आयोजन किया जाता है, इस पूरी प्रक्रिया और पूजा को संजोरी बिंदरी कहा जाता है। इस पूजा के दूसरे दिन से ग्राम वासी खेत खलिहानों में धान बोना आरंभ करते हैं।

खबर संक्षेप

एसआईएस 120 करोड़ रुपए तक के शेयर वापस खरीदेगी

नई दिल्ली। सुरक्षा एवं सुविधा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने वाली एसआईएस लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए 120 करोड़ रुपये तक के शेयर पुनर्खरीद कार्यक्रम की घोषणा की है। वर्ष 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद यह कंपनी का पांचवीं पुनर्खरीद होगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सैद्धांतिक रूप से 120 करोड़ रुपये तक के शेयर वापस खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

जेएफई स्टील ने जेएसडब्ल्यू जेएफई में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। इस्पात कंपनी जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ने 7,875 करोड़ रुपये में जेएसडब्ल्यू जेएफई कलिंगा में 25 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीद ली है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह सौदा पूरी तरह संपन्न हो गया है। इसके साथ ही जेएफई की जेएसडब्ल्यू जेएफई कलिंगा में हिस्सेदारी बढ़कर 50 प्रतिशत हो गई है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि 30 मार्च, 2026 को उसने जानकारी दी थी कि जेएफई स्टील ने जेएफई कलिंगा स्टील लिमिटेड में निवेश के पहले चरण के तहत 7,875 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कोल इंडिया शोध व विकास पर 1900 करोड़ रुपए करेगी खर्च

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) खदानों की उत्पादकता बढ़ाने और

उत्सर्जन घटाने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2029-30 तक शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों पर करीब 1,900 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि इस पहल के तहत वह स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण करने और बदलते ऊर्जा परिदृश्य के अनुरूप वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्रों की भी तलाश करेगी। बीएसई को दी सूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय कोयला एवं ऊर्जा अनुसंधान केंद्र की स्थापना के साथ उसकी आरएंडडी गतिविधियों को गति मिली है।

रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 94.65 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 14 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.65 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मासान्त अंत की आयातकों और कंपनियों की डॉलर मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है और वैश्विक बाजार में जोखिम न लेने की निवेशकों की प्रवृत्ति के कारण रुपये में गिरावट आई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप ने मुद्रा को सहारा दिया और इसकी गिरावट सीमित रही।

यूटीआई म्यूचुअल फंड ने एमसीएक्स में शेयर खरीदे

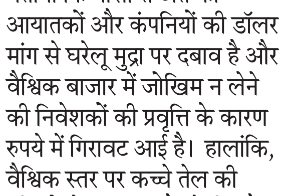

नई दिल्ली। यूटीआई म्यूचुअल फंड ने खुले बाजार सौदे के जरिये जिंस वायदा विकल्प सूचकांक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के करीब 15 लाख शेयर 425 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। एनएसई के थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार, यूटीआई म्यूचुअल फंड (एमएफ) ने एमसीएक्स के 14,65,941 शेयर खरीदे, जो कंपनी की 0.57 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। यह सौदा सोमवार को 2,899.23 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर हुआ।

जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी

सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी। जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। इसके बाद सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 तय की थी।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, ''सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी है।'' मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया।

एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज

इन अनुरोधों में कहा गया था कि जीएसटीएटी मंच पर अत्यधिक दबाव के कारण अपील दाखिल करने में तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 15 दिनों में ही 30,000 अपीलें दाखिल की गईं, जबकि एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज की गईं।

करदाता अंतिम समय तक इंतजार न करें

मंत्रालय ने करदाताओं को सलाह दी कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें। सरकार अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठों और दिल्ली स्थित एक प्रधान पीठ को अधिसूचित कर चुकी है।

अपील दायर करने की अंतिम तिथि एक महीने बढ़ाई

- *अपील दायर करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तय की थी*
- *हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया*

प्राधिकरण के पास 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित

फिलहाल अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और इन सभी के जीएसटीएटी में आने की उम्मीद है। सरकार ने मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को जीएसटीएटी की प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

व्यवस्था में सुचारू बदलाव सुनिश्चित होगा

केपीएमजी में अप्रत्यक्ष कर प्रमुख एवं साझेदार अभिषेक जैन ने कहा, '' समयसीमा बढ़ने से करदाताओं और पेशेवरों को नए जीएसटीएटी तंत्र के अनुरूप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इससे वास्तविक अपीलें समयसीमा के कारण खारिज होने से बचेंगी और जीएसटीएटी व्यवस्था में सुचारु बदलाव सुनिश्चित होगा।''

अपीलों की कुल संख्या 550 के आंकड़े को पार कर गई

रायपुर। नवगठित जीएसटी अपीलीय अधिकरण (जीएसटीएटी) के प्रति व्यापार, उद्योग एवं व्यावसायिक समुदाय के बढ़ते विश्वास को दर्शाते हुए, जीएसटीएटी, रायपुर बेंच के समक्ष दायर की गई अपीलों की कुल संख्या आज 550 के आंकड़े को पार कर गई है। रायपुर बेंच के समक्ष दायर की गई अपीलों की कुल संख्या 1000 के आंकड़े को भी पार कर सकती है। जीएसटीएटी, रायपुर बेंच के उपाध्यक्ष प्रदीप व्यास ने, बेंच के अन्य माननीय सदस्यों के साथ, जीएसटी अपीलीय अधिकरण बार एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ तथा प्रदेश के समस्त अधिवक्ताओं एवं व्यावसायिक प्रतिनिधियों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है, जिन्होंने इस अवसर का सक्रिय रूप से लाभ उठाते हुए अन्य करदाताओं एवं हितधारकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपील दायर करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

सरकार ने पेट्रोरसायन आयात पर शुल्क छूट 15 जुलाई तक बढ़ाई

- *आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि 15 दिन बढ़ाई गई*
- *पहले अस्थायी और लक्षित राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी*

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 40 महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि 15 दिन बढ़ाकर 15 जुलाई तक कर दी है।

सरकार ने दो अप्रैल को महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट दी थी। यह अस्थायी और लक्षित राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दो अप्रैल को दी गई छूट का मकसद घरेलू बाज़ार में पेट्रोरसायन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था, क्योंकि भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों से इस दौरान एलपीजी के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था।

बयान में कहा गया, ''स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव को सुचारू और बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करने के मकसद से इस छूट को 15 दिन की और अवधि के लिए, यानी 15 जुलाई, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।'' आयात शुल्क में यह छूट मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यूनि, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन में दी गई है।

डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर लागत दबाव कम करना

मंत्रालय ने कहा था कि इस कदम का उद्देश्य घरेलू उद्योग के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना, 'डाउनस्ट्रीम' उद्योगों पर लागत का दबाव कम करना और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखना है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण समुद्री मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत उर्वरक और पेट्रोलियम का प्रमुख आयातक है।

सोना 800 रुपए हुआ सस्ता, चांदी 6,000 महंगी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में कम मांग के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये घटकर 1.45 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 800 रुपये घटकर 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। हालांकि, चांदी में जोरदार वापसी हुई और लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला टूट गया।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 250 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), पेट्रोलियम एवं गैस तथा चुनिंदा बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के बीच अमेरिका-ईरान के बीच दोहा में होने वाली वार्ता के अगले दौर को लेकर अनिश्चितता से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

प्रिज्म ने आईपीओ के लिए दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की प्रौद्योगिकी कंपनी प्रिज्म ने 6,650 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष संशोधित मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह आईपीओ पूरी तरह नए शेयर के निर्गम पर आधारित होगा और इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई प्रावधान नहीं है। प्रिज्म, आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े ऑनलाइन मंच ओयो की मूल कंपनी है। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में बिक्री पेशकश का कोई प्रावधान नहीं होने का मतलब है कि सॉफ्टबैंक की एसवीएफ इंडिया होल्डिंग्स, संस्थापक रितेश अग्रवाल, आरए हॉस्पिटैलिटी होल्डिंग्स, माइक्रोसॉफ्ट, एयरबीएनबी, खजानाह, लाइटस्पीड, ग्रीनओक्स कैपिटल और पीक एक्सवी सहित मौजूदा शेयरधारक आईपीओ के जरिये अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
110/194347	CONSTRUCTION OF REST HOUSE FOR HONORABLE JUDGES OF CHHATTISGARH HIGH COURT (FURNITURE WORK) AT CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)	रु. 90.76 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.07.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
जी. 262701787/5 **लो.नि.वि., रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)**

संचालनालय कृषि, छ.ग. रायपुर

क्र/एक्स.रि. / खू.ब.पु./2026-27/171
नवा रायपुर, दिनांक 25/06/2026

सूचना

"डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार" हेतु आवेदन आमंत्रण

छ.ग. शासन, कृषि विभाग के अधिसूचना कमांक/4326 / कृषि/2001 रायपुर, दिनांक 17.10.2001 एवं अधिसूचना क्रमांक / 2310 / बी-6-26/2004/14-2 दिनांक 08 जून, 2007 तथा पत्र कमांक / 2607 / एफ-6-26/पुर./2004/14-2 रायपुर, दिनांक 08.07.2011 द्वारा दी गई सहमति तथा अधिसूचना क्र/1128/बी-6-26/खू.ब./2015/14-2 दिनांक 08.06.2015 द्वारा किये गये संशोधन अनुसार वर्ष 2026 हेतु "डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार" के लिए कृषकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र संबंधित जिला के उप संचालक कृषि कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र संबंधित जिले के उप संचालक कृषि, कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

उक्त सूचना की संपूर्ण जानकारी कृषि विभाग के वेबसाईट (Website)-www.agriportal.cg.nic.in पर उपलब्ध है।

(राहुल देव)
भा.प्र.से.
जी. 262701772/2 **संचालक कृषि, छ.ग. रायपुर**

कार्यालय नगर पालिक निगम (जोन-04). रायपुर (छ.ग.)
मोतीबाग पानी टंकी सुभाष स्टेडियम के सामने
Email ID-rmczone4@gmail.com

रेनवॉटर हार्वेस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (2nd Call)

क्रमांक 29/नपानि/जोन क्र. 04/ लो.क.वि/2026 रायपुर दिनांक 30/06/2026

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्र. 34, 64 में स्थित निजी भवनो में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग ड्राईंग डिजाईन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियो बेरोजगार इंजीनियरर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलाजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुवल पद्धति से दिनांक 16/07/2026 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त कार्य हेतु निर्धारित आवेदन पत्र के साथ संस्था का पंजीयन, जी.एस.टी.. पेनकार्ड, डी.डी. राशि रू. 1000/- (नॉन रिफंडेबल) एवं अमानती राशि रू. 5000/- का एफ.डी.आर आवेदन के साथ जोन आयुक्त जोन क्रमांक 04 नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रस्तुत करना होगा। रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 04 मोतीबाग पानी टंकी के नीचे कार्यालय में कार्यालयीन अवधि व दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त आवेदन जोन कार्यालय में ही जमा किये जायेंगे स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियो को धरोहर राशि में छूट होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

जोन आयुक्त
जोन-04
नगर पालिक निगम, रायपुर

प्रारूप-एक
(नियम 11 देखिये)
कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात

जिला	तहसील	ग्राम/ नगर	क्षेत्रफल (हे.) में	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	रायगढ़	जामगांव	0.082	बस्ती-जामगांव-छुहीपाली-जुनाडीह मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. सड़क

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जने सुनवाई दिनांक-06.07.2026 को (समय) प्रातः 11:00 बजे (स्थान) पंचायत भवन जामगांव पर नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

(एक) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण:- बस्ती-जामगांव-छुहीपाली जुनाडीह मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. सड़क
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 03
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- निरंक
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
(पाँच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
(छ) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ? हॉ
(सात) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है? हॉ
(आठ) परियोजना की कुल लागत: 183.61 लाख,
(नौ) परियोजना से होने वाले लाभ:- आवागमन हेतु,
(दस) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय:-05 लाख ।
(ग्यारह)परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहीत तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहीत तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं
भू- अर्जन अधिकारी, रायगढ़ (छ.ग.)
जी. 262701755/2 **कलेक्टर रायगढ़ (छ.ग.)**

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) (आदिवासी विकास शाखा)
Phone No. 07856-252441, Fax No. 07856-252441, Email: actd.dantewada@nic.in

क्रमांक /1115//आ.वि./निर्माण/डी.एम.एफ./2025-26 दन्तेवाड़ा, दिनांक 22.6.2026

ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना (ई-निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यो के लिए कार्यालय कलेक्टर, (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला दंतेवाड़ा के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए: "C" श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. ई-निविदा प्रारंभ तिथि: 24.06.2026 /11.00 बजे से 2. ऑनलाईन निविदा जमा करनें की अंतिम तिथि/समय : 10.07.2026 / सांय 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ.डी.आर.) स्पीड पोस्ट द्वारा प्रस्तुत करनें हेतु अंतिम तिथि/समय: 17.07.2026 / सांय 5.00 बजे तक
4. निविदा खोलनें की तिथि/समय : 21.07.2026 /11.00 बजे से

स. क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम/स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये मे)	अमानत राशि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित)
1.	193954	मड़कामीरास में 50 सीटर आदिवासी प्री.मै. कन्या छात्रावास भवन निर्माण कार्य	181.00	3000/-	1,35,800/-	18 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट- https://eproc.cgstate.gov.in पर में देखे जा सकते है।

सहायक आयुक्त
जी. 262701784/2 **आदिवासी विकास, दंतेवाड़ा**

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जशपुर जिला - जशपुर (छत्तीसगढ़)
Phone: 9424242409 E-Mail ID: ee-res.jashpur@.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक / 536/वलेलि / ग्रा.यां.से / 2026-27 जशपुर, दिनाँक 24/06/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "डी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	Tender No.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)
1	194116	Zonal tender for civil construction work (Different Types of Works But each work not exceeding Cost. Of 25.00 lakh) at sub division Farsabahar, Dist.-Jashpur (Group 01), 2nd Call	100.00
2	194118	---''--- at sub division Farsabahar, Dist.- Jashpur (Group 05), 2nd Call	100.00
3	194119	---''--- at sub division Pathalgaon, Dist.- Jashpur (Group 06), 2nd Call	100.00
		Total	300.00

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 30.06.2026 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ से प्राप्त की जा सकती है। प्रत्येक निविदा हेतु निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 09.07.2026 अपरान्ह 17:30 बजे तक एवं अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट से दिनांक 13.07.2026 को अपरान्ह 17:30 बजे तक, पहुंचना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जी. 262701750/5 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.)**

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/मंडी आरंग/1-3/26-27/1982 रायपुर, दिनांक 25/06/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति आरंग जिला रायपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :- **ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि :- 20.07.2026 फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि :- 27.07.2026**

क्र.	कार्य का नाम/ स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण
1	जिला रायपुर, वि.ख. आरंग के धान उपार्जन केन्द्र पंधी में किसान कुटीर निर्माण कार्य।	13.11	लो.नि.वि. भवन/विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015/ 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर।
2	जिला रायपुर, वि.ख. आरंग के धान उपार्जन केन्द्र गोईंदा में किसान कुटीर निर्माण कार्य।	13.11	
3	जिला रायपुर, वि.ख. आरंग ग्राम चरौदा में मनिमोहर के घर से इतिवारी यादव के घर तक सी.सी. रोड सह ह्यूम पाईप पुलिया निर्माण कार्य।	11.62	लो.नि.वि. सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील एस.ओ. आर.पर।
4	जिला रायपुर वि.ख. आरंग के ग्राम बनचरौदा में मंदिर चौक के पास सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	17.90	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- **सचिव** **कृषि उपज मंडी समिति आरंग जिला रायपुर**
सही/- **भारसाधक अधिकारी** **कृषि उपज मंडी समिति आरंग जिला रायपुर**
संवाद- 48302

छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग
कोंडागांव वनमंडल के काष्ठागार के e-Auction का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोंडागांव वनमंडल के अंतर्गत कोंडागांव काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ/जलाऊ/बांस का e-Auction द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि e-Auction में भाग लेवें । e-Auction की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल से प्राप्त की जा सकती है।

वनमंडल का नाम	काष्ठागार का नाम	नीलाम दिनांक व समय
कोंडागांव वनमंडल कोण्डागांव	कोंडागांव काष्ठागार	03/07/2026 प्रात: 9:00 बजे से

	नया वनोपज			अविक्रित वनोपज			योग		
	ई. काष्ठ (घ.मी.)	बल्ली/डेंगरी (नग में)		ई. काष्ठ (घ.मी.)	बल्ली/डेंगरी (नग में)		ई. काष्ठ (घ.मी.)	बल्ली/डेंगरी (नग में)	
सागौन	0	0	0	29.583	616	331	29.583	616	331
साल	2189.585	768	444	6397.371	491	1747	8586.956	1259	2191
बीजा	16.176	3	7	229.321	104	201	245.497	107	208
साजा	4.072	6	1	57.561	134	46	61.633	140	47
हल्दू	0.696	0	19	100.518	14	17	101.214	14	36
निलगिरी	0	0	0	0	2957	0	0	2957	0
अन्य	15.204	53	0	232.336	195	76	247.54	248	76
योग :-	2225.733	830	471	7046.690	4511	2418	9272.423	5341	2889
बांस	0			Bamboo= 21060 Nog 9.980 NT			Bamboo= 21060 Nog 9.980 NT		

शर्ते :-
(1) प्रत्येक क्रेता को e-Auction के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
(2) क्रेताe-Auctionके पूर्व कय लाटों के अफसेट प्राईज के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत ई. एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
(3) लाटों की थप्पी सूचि एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल से लॉग इन करके देख सकते हैं।
(4) e-Auction में लॉट क्रय करने के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसकी लॉट के अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
कोण्डागांव वनमण्डल
कोण्डागांव
जी.262701793/3

प्रथम पृष्ठ का शेष

आदिवासियों के देवदूत...

सेवा कर रहे हैं डॉक्टर विपिन ठाकुर। दुर्गम इलाके के वंचित आदिवासी उन्हें टक्का डॉक्टर (यानी जिनके सिर पर बाल कम हो) के रूप में जानते और देवदूत की तरह मानते हैं। आज जब हर कोई बेहतर सुविधा की चाह रखता है। बड़े शहरों-राजधानियों में पोस्टिंग की होड़ के बीच बरसों से सुदूर आदिवासी इलाके में जान जोखिम में डालकर भगवान बने कुछ डॉक्टरों की सेवा देखकर गर्व से दिल भर जाता है। पढ़िए डॉक्टर्स डे पर हमारी खास खबर - सुकमा जिले के कनईगुड़ा, मुलावा चिमलीलावा, प्रो गुमड़ी, काकड़ी, कोंडासावली, हिड़मा जैसे अंदरूनी इलाके जहां मुख्यधारा की चिकित्सा व्यवस्था का अभाव था। नक्सल खौफ के कारण बाहरी लोग जाने से डरते थे, वहां जगरगुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉ. विपिन ठाकुर यानी टक्का डॉक्टर ने मोर्चा संभाला। मलेरिया, डायरिया, उल्टी-दस्त और सांप-बिच्छू के काटने जैसी आपात स्थितियों में ये डॉक्टर दुर्गम गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों की जान बचा रहे हैं। इसके चलते ग्रामीण टक्का डॉक्टर को मसीहा मानते हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों...

केन्द्र के अंतर्गत सात उप स्वास्थ्य केन्द्र शामिल हैं। एसएचसी जगरगुंडा, उप स्वास्थ्य केन्द्र तिम्मापुरम, चिमलीपेंटा, सिलगेर, उर्सगल, कामाराम, कोंडासावली शामिल हैं। स्वास्थ्य केन्द्र जगरगुंडा के अंतर्गत 21000 जनसंख्या है। इन इलाकों में कठिनतम अतिदुर्गम पहुंचविहीन इलाकों की संख्या 21 है, जो बरसात में टापू बन जाते हैं। इसमें कनईगुड़ा, मुलावा चिमलीलावा, प्रो गुमाड़ी, काकड़ी, कोंडासावली, हिड़मा अति दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग...

मलेरिया चुनौती है, यहां प्रतिदिन 40-50 मरीज अस्पताल में आते हैं और माह में लगभग 15-16 प्रसव होता है। साथ ही सर्पदंश, कुत्ता काटने, भालू के काटने, बिच्छू के दंश, जहर पीने वाले लोग मरीज आते हैं। सड़क दुर्घटना में घायल भी पहुंचते रहते हैं।

पहाड़ लांघकर पहुंच...

ऐसे विषम भौगोलिक और संवेदनशील क्षेत्रों में 'टक्का डॉक्टर' ग्रामीणों को तात्कालिक राहत और आपातकालीन चिकित्सा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

डॉ. भेषज की...

23 सालों से एक घने, नक्सल प्रभावित और बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते क्षेत्र को ही अपनी दुनिया बना ली। हम बात कर रहे हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ के बीएमओ डॉ. भेषज कुमार रामटेके की। 1 जुलाई को जब पूरा देश डॉक्टर्स डे मना रहा होगा, तब अंतागढ़ की करीब एक लाख की आबादी डॉ. रामटेके के उस निस्वार्थ समर्पण को नमन कर रही होगी, जिसके बिना शायद वहां की सांसें थम सी जातीं। साल 2003 में जब डॉ. रामटेके ने अंतागढ़ में कदम रखा था, तब परिस्थितियां ऐसी थीं कि कोई वहां रुकना नहीं चाहता था, लेकिन उन्होंने भागने के बजाय रुकने का फैसला किया। साल 2005 में इस क्षेत्र ने वह खौफनाक मंजर देखा, जिसने डॉ. रामटेके के हौसले की सबसे कठिन परीक्षा ली। **अस्पताल परिसर के बाहर जब गूंज रही थीं गोलियां**- अंतागढ़ जैसे अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में काम करना हर दिन मौत को छूकर निकलने जैसा था। वह रात डॉ. रामटेके कभी नहीं भूल सकते, जब सैकड़ों नक्सलियों ने अंतागढ़ नगर को घेर लिया था। अस्पताल, पुलिस थाना और डॉक्टर का निवास एक ही परिसर में था। पूरी रात अंधाधुंध गोलीबारी होती रही, खिड़कियों के कांच टूटते रहे। उस बारूद की गंध और खौफ के बीच भी डॉक्टर साहब का एक ही संकल्प था, चाहे कुछ भी हो जाए, अस्पताल के भीतर जिंदगी की लौ बुझने नहीं देनी है।

ट्रिपल मर्डर की...

आशुतोष त्रिपाठी पिता मनोज त्रिपाठी सहित अनिल तिवारी, मनीष त्रिपाठी और जितेंद्र त्रिपाठी शामिल हैं। बताया गया कि 30 जून को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने पीड़ति परिवार से चर्चा की, जिसके बाद सरकार की ओर से सीबीआई जांच की सहमति दे दी गई। अब सरकार के निर्णय के बाद पीड़ति परिवारों को निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की उम्मीद है।

हरिभूमि-आईएनएच का...

से जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर भी संवाद होगा। जिला संवाद में भाजपा की ओर से जिलाध्यक्ष एतराम साहू सहित पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर व नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू भी मौजूद रहेंगे। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वन मंडलाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी इस मौके पर उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

पुलिस विभाग की...

इस मामले में वेतन शाखा के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार मामला विशेष आडिट और वेतन भुगतान सॉफ्टवेयर की जांच के दौरान सामने आया। जांच में वेतन मद से जारी की गई राशि और कर्मचारियों के वास्तविक वेतन भुगतान के बीच बड़ा अंतर पाया गया। इसके बाद खातों और दस्तावेजों का मिलान किया गया जिसमें 3 करोड़ रुपए से अधिक की संदिग्ध वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऑनलाइन वेतन ट्रांसफर के दौरान कुछ खातों में वास्तविक वेतन से कई गुना अधिक राशि भेजी जा रही थी। पुलिस को संदेह है कि इस पूरी प्रक्रिया को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया और लंबे समय तक इसका पता नहीं चल सका। प्रारंभिक पूछताछ के बाद वेतन शाखा में पदस्थ आरक्षक हेमंत मेथ्यू, गिरीश रॉय व राजकुमार कतलम को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जांच टीम खंगाल...

कर्मचारी, बैंकिंग प्रक्रिया से जुड़े लोग या बाहरी व्यक्तियों की भी कोई भूमिका रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि अतिरिक्त राशि का उपयोग कहां और किस उद्देश्य से किया गया।

राम मंदिर चंदा...

प्रतिनिधिमंडल ने चंदा चोरी के खिलाफ अयोध्या कूच करने और वहां एक बड़ी पदयात्रा निकालने का ऐलान किया था। इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई करने के लिए यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अयोध्या पहुंच गए थे। लेकिन पुलिस ने राय को अयोध्या स्थित 'पदम श्री पैलेस होटल' में ही हाउस अरेस्ट कर लिया। अमेठी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक सिंह अमेठी से नवनिर्वाचित सांसद किशोरी लाल शर्मा और बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया को भी उनके घरों में हाउस अरेस्ट कर लिया गया है।

मानसून की दमदार...

एक्टिव है। मध्य महाराष्ट्र में भी तेज बारिश देखने को मिल सकती है। केरल, तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में लगातार बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी गरज के साथ बारिश जारी रह सकती है। **क्या है ये 1500 किमी लंबी पट्टी?**-मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अंतरिक्ष से ली गई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि बादलों का एक विशाल और निरंतर चलने वाला सिस्टम तैयार हुआ है। यह सिस्टम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा को पार करते हुए सीधे कश्मीर तक पहुंच रहा है। 1500 किलोमीटर के इस लंबे दायरे में लगातार घने, पानी से लदे मेघ बने हुए हैं, जो किसी भी समय मूसलाधार बारिश बनकर बरस सकते हैं।

रामगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय...

शकुंतला पोर्ते, विधायक सामरी श्रीमती उद्देशवरी पैंकरा, युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, अध्यक्ष पुरातात्विक डॉ. एम कालीमुथु, जिपं अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जपं अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, जिपं सदस्य श्रीमती राईमुनिया कुरियाम एवं श्रीमती राधा रवि, सरपंच प्रदीप सिंह, नंदराम, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, आईजी दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत, एसएसपी राजेश अग्रवाल, जिपं के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

एसआईआर के खिलाफ...

(डीएमके) समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि इस पत्र पर उन 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने हस्ताक्षर किए हैं, जो 8 जून को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल हुए थे। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

वेनेजुएला में मलबे...

और बचाव दलों के मुताबिक, लापता लोगों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है और आशंका है कि लगभग 60,000 लोग अभी भी लापता हैं। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, रेस्क्यू ऑपरेशन में चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं।

NAGAR PANCHAYAT KUNKURI, DIST - JASHPUR, C.G

E-Procurement Tender Notice (2ND Call)

NIT NO:325/2026 KUNKURI, Dated 30.06.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/supply works up to date 16.07.2026 at 17.30 Hours

System tender No.	Description	P.A.C
194387	BT Road topping from Mini garden to Jamtoli primary school, Ward no 6, Nagar Panchayat Kunkuri.	11.19 LACS
194388	BT Road topping from Main road Isha Nursing to BSNL office, Ward no 7, Nagar Panchayat Kunkuri.	11.55 LACS
194389	BT Road topping from Govt quarters to Rafeeq Ghar, Ward no 11, Nagar Panchayat Kunkuri.	12.03 LACS
194390	BT Road topping from CSEB office to Lambitoli Road, Ward no 7, Nagar Panchayat Kunkuri	14.70 LACS
194391	BT Road topping from Loyola School to Lazurus Minz ghar, Ward no 2, Nagar Panchayat Kunkuri.	16.68 LACS
194392	BT Road topping from Aadya Shankar Tripathi ghar to SLRM centre, Ward no 1, Nagar Panchayat Kunkuri.	23.36 LACS
194393	BT Road topping at Azad basti, Ward no 9, Nagar Panchayat Kunkuri	23.35 LACS
194394	BT Road topping from Talkies chowk to Lambitoli road Ward no 8, Nagar Panchayat Kunkuri.	24.04 LACS
194395	BT Road topping from Mangal Bhavan to Ginabahar Marg seema, Ward no 1, Nagar Panchayat Kunkuri.	28.81 LACS
194396	BT Road topping from Mahima school to Behratoli, Ward no 15, Nagar Panchayat Kunkuri.	29.18 LACS

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in From 30.06.2026 at 10:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT KUNKURI

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यूं जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिए।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- 60वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40वर्ष की महिला चाहिए विधवा, परित्यक्ता को प्राथमिकता वेतन 6000/- सम्पर्क- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 7869759897, 9893968977 (41296)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 9111000881, 8889823100 (41295)

आवश्यकता है- झाड़ू पोछा, सफाई वेटर (18वर्ष से ऊपर) (10000) कर्मचारी, मेहनती कार्य हेतु लड़कों की। वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना, निशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार, बिलासपुर 9406390898 (41297)

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस एसी शोरूम में सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर ब्वॉयेज, गर्ल्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 (41305)

आवश्यकता है- ऑफिस, घरेलू, देखभाल, साफ, सफाई विभिन्न कार्यों हेतु युवक, युवतियों, महिलाओं (लड़के, लड़कियों) की आवश्यकता है। फुल अथवा पार्ट टाइम। अनुभव योग्यता आवश्यक नहीं, शानदार अच्छा वेतन सम्पर्क करें- 9893076853 (41300)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 7880003160, 7880003190 (528)

आवश्यकता है- हायर सेकेण्डरी कक्षा हेतु रसायन जीव विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षक की आवश्यकता है। व्हाट्स एप 9827192066 में जानकारी भेजें। सम्पर्क करें- सरदार सन्तोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर (41291)

आवश्यकता है- दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 (41293)

आवश्यकता है- शीघ्र भर्ती हाउस कीपिंग स्टाफ 50 (M/F), केयर टेकर- 25 (खाना बनाना आना चाहिए) ऑफिस बॉय 10 शॉप कर्मचारी- 25 ड्राइवर-5 कंप्यूटर ऑपरेटर 30 पता- D.K. & Son's नियर सत्संग विहार शंकर नगर बिलासपुर 9368425184, 9651120491 (41294)

आवश्यकता है-(1) बीएससी नर्सिंग-4पद (2) मार्केटिंग मैनेजर-1पद (3) कम्प्यूटर ऑपरेटर+ एकाउंटेंट-1पद (4) गार्ड (ड्यूटी) (5) ड्यूटी डॉक्टर चाहिए सम्पर्क करें-सांई बाबा हॉस्पिटल, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 9827150429 (41244)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में काउंटर सेल्स कार्य हेतु 15 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। गाड़ी चलाना आता हो, 12वीं पास हो। सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8109090000, 8319397645 (41304)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर 9329124924 (41292)

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (41302)

आवश्यकता है-दो स्कूल में प्राइमरी/ मिडिल/ हाई/ हायर सेकेंडरी क्लासेस सभी विषय पढ़ाने टीचर्स एवं आफिस वर्क, आया, प्यून, ड्राइवर, चौकीदार चाहिए पता- पंचवटी स्कूल्स राजकिशोर नगर, पुराना हाईकोर्ट बिलासपुर 9752583075 (41284)

आवश्यकता है-मोबाइल दुकान में लड़का, लड़की चाहिए योग्यता 18वर्ष या अधिक, स्क्रीन गार्ड लगाने, मोबाइल कवर, एक्सेसरीज बेचने का अनुभवी, मोबाइल की सामान्य जानकारी हो। अनुभवी को प्राथमिकता समपर्क करें- 8718855032 (41286)

आवश्यकता है- दो बाई एवं मिस्त्री खाना बनाने के लिए एवं दो लड़कों की रूम सर्विस के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर (41299)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें-गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर (41301)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 9827923507(41281)

आवश्यकता है-यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 9753311111 (612)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन फ्रैशर एवं अनुभवी लड़के और Marg साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की चाहिए पता- अरूण इलेक्ट्रीकल्स बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (41280)

आवश्यकता है-जय हिंद पब्लिक स्कूल लखराम (रतनपुर के पास में) विषय हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान,गणित पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षक शिक्षिकाओं की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9981766606, 7000549454 (41288)

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-8929449955 (63586)

आवश्यकता है-दुकान में अकाउंटेंट (बिजी सॉफ्ट वेयर अनुभवी को प्राथमिकता) एवं दुकान में स्टाफ व ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- JMD मित्र विहार कॉलोनी बिलासपुर 7987756265, 9376557711 (41289)

आवश्यकता है-दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के/ लड़कियाँ एवं चाइनीज मिस्त्री तथा दोसा मिस्त्री और सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36मॉल के सामने बिलासपुर 9300518958 (41290)

आवश्यकता है-नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं साफ सफाई हेतु महिला आया की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 7024853558 (41287)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु-मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप/ कॉल करे-8400406891 (102)

आवश्यकता है-पार्ट टाइम रिसेप्शनिस्ट (लड़की) की आवश्यकता है। जिसे कम्प्यूटर नॉलेज, बात करने का अच्छा अनुभव हो। कार्य समय सुबह 11 से 3बजे तक। सम्पर्क करें- दोपहर 12 से 4बजे 9993784390 (41282)

आवश्यकता है-पाई टाईम फील्ड कार्य हेतु 2 स्थानीय युवकों की योग्यता 8वीं, वेतन योग्यतानुसार। स्वयं का वाहन अनिवार्य सम्पर्क करें- थायरोकेयर (शेख असलम) देवकीनन्दन स्कूल के सामने तिलक नगर बिलासपुर 9669777917 (41268)

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेंसी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर इलेक्ट्रीशियन फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लड़के एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी-15, ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6264550163, 9685542250, 7049098581 (41272)

आवश्यकता है-कपड़े की दुकान से कार्य करने हेतु अनुभवी और बिलासपुर निवासी हेल्पर एवं सेल्समैन लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827104451 (41278)

आवश्यकता है-स्पंज आयरन प्लांटों को हीटिंग साईकल हेतु छत्तीसगढ़ लेवल पर सर्विसेज देने हेतु Jainaveer Limited को 5साल+ अनुभवी फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर डिग्री धारी आदि की आवश्यकता है सम्पर्क-9090207009 7828827710 (530)

आवश्यकता है-सोशल मीडिया रील्स, वीडियो एडिटिंग एवं फील्ड मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता सम्पर्क करें- दीक्षित कॉलोनी नेहरू चौक बिलासपुर 9303079100 9479132382 (41276)

आवश्यकता है-ऑफिस मैनेजमेन्ट के लिए लड़की (सुशिक्षित एवं कम्प्यूटर अनुभवी) की आवश्यकता है सम्पर्क करें-श्री बालाजी कंस्ट्रक्शनस होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 7974086925, 9907925045 (41277)

आवश्यकता है-दुकान में कम्प्यूटर द्वारा BUSY में एवं अन्य कार्य करने हेतु कार्य कर्ताओं की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 9827167987, 9300617113 (41273)

आवश्यकता है-न्यू कंपनी विस्तार हेतु आवश्यकता है लड़के, लड़कियों की 8वीं 10वीं पास सैलरी 12000 से 15000, रहना फ्री, मिले- Ambition Compny सुंदर नगर रायपुर 9098100628, 8435887784 (890)

बेचना

बेचना है-4BHK, 4लेटबाथ 2मंजिला नया लक्जरियस मकान 1525 वर्गफीट दो कार पार्किंग गार्डन वॉश एरिया पोर्च, रघु विहार अशोक नगर सरकंडा, 2BHK फर्स्ट फ्लोर फ्लैट विजया रीजेंसी, विजयापुरम, सरकंडा सम्पर्क- 9752011980 (41228)

बेचना है- 10×14 की दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, 10×14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 (41288)

बेचना है-बिरकोना रोड, अशोक नगर, सरकंडा में, 2328 वर्गफुट 3375600/- में, 900 वर्गफुट 1125000/- में,800 वर्गफुट 1000000/- में एवं मानस विहार बंधवापारा में 2205 वर्गफुट 3530000/- में सम्पर्क करें- 7489846536(41269)

फाइनेन्स

लोन- Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन ,मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन , लोन ट्रांसफर (B.T) , होम लोन, के.सी.सी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पताः- शॉप नं. 231 आकाश गगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.- नुरज सिंह राजपुत -7587287565, 9165058207, 83139119645 (307)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

खबर संक्षेप

आस्ट्रेलिया फाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

लंदन। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रन की मदद से मौजूदा चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में मूनी और एशले गार्डनर की आक्रामक पारियों के दम पर सात ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। मूनी ने 36 गेंद में 8 चौकों की मदद से नाबाद 61 रन बनाए जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया । इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया, जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरुआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे। कप्तान हीली मैथ्यूज और शेमेइन कैंपबेल को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी। आस्ट्रेलिया के लिए कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो-दो विकेट लिए।

आज से जागरेब रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट

जागरेब। विश्व चैंपियन डी गुकेश 1 जुलाई से शुरू हो रहे जागरेब रेपिड एंव ब्लिट्ज टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करेंगे। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है जो शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने का सबसे बड़ा मंच है। ग्रैंड शतरंज टूर के तहत इस साल की यह तीसरी प्रतियोगिता होगी और इसके बाद तीन और प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा भी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में रेपिड शतरंज के नौ दौर जबकि ब्लिट्ज शतरंज के 18 दौर खेले जाएंगे। रेपिड में हर जीत के लिए दो अंक और ड्रॉ के लिए एक अंक मिलेगा जबकि ब्लिट्ज में जीत के लिए एक अंक और ड्रॉ के लिए आधा अंक दिया जाएगा।

पंड्या ने बनाया सीओई को स्थायी ट्रेनिंग सेंटर

नई दिल्ली। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने अपने करियर के बाकी समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को अपना स्थायी ट्रेनिंग केंद्र बनाने के मकसद से

बेंगलुरु में रहने का फैसला किया है और वह ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रमुख मौजूदा क्रिकेटर बन गए हैं। पंड्या का यह कदम इसलिए सभी का ध्यान खींच रहा है।

सबसे बड़ा उलटफेर, पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को किया बाहर

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

जोस कैनाले ने पहले ही सडन डेथ पेनल्टी किक पर गोल किया और ऑरलैंडो गिल ने शूटआउट में दो महत्वपूर्ण बचाव किए, जिससे पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर मौजूदा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। राउंड ऑफ़ 32 का यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा था।

पराग्वे ने 42वें मिनट में जूलियो एनसिसो के हेडर से किए गए गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन चार बार के चैंपियन जर्मनी के लिए काई हावर्ट्ज़ ने 52वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। गिल ने बाद में अपनी जीत की राज का खुलासा करते हुए कहा, 'हमने प्रत्येक खिलाड़ी और प्रत्येक छोटी सी छोटी चीज का भी विश्लेषण किया था और यही वजह थी कि मैं सिर्फ दो पेनल्टी चूक पाया। यह जीत पराग्वे के लोगों को समर्पित है।'

gettyimages Credit: Robert Cianflone

हम एकजुट हैं : कैनाले

कैनाले ने कहा, 'हमें कम करके आंका गया लेकिन हमें खुद पर भरोसा था। हम एक और मैच खेलने के हकदार थे। हमारी टीम की खासियत यह है कि हम एकजुट हैं। हम आज के मैच में अपनी असली ताकत दिखाने के लिए प्रतिबद्ध थे।'

पराग्वे ने 24 साल बाद लिया बदला

जर्मनी ने 2002 में अंतिम 16 के उस मैच में पराग्वे को 1-0 से हराया था। पराग्वे ने इस तरह से 24 साल बाद उसका बदला चुकता कर दिया। पराग्वे इससे पहले पांच बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में हिस्सा ले चुका था, लेकिन एक भी गोल करने में असफल रहा था। इनमें से वह केवल एक बार ही आगे बढ़ पाया था, जब उसने विश्व कप 2010 में अंतिम 16 में जापान को पेनल्टी शूटआउट में हराया था।

पराग्वे ने जर्मनी को हराकर किया हैरान

फीफा रैंकिंग में 34वें स्थान पर मौजूद पराग्वे की जीत पर बहुत कम सट्टा लगा था लेकिन उसने 12वें स्थान पर काबिज जर्मनी को हराकर दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों को हैरान कर दिया। पराग्वे की टीम अब शनिवार को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 में मंगलवार को फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी।

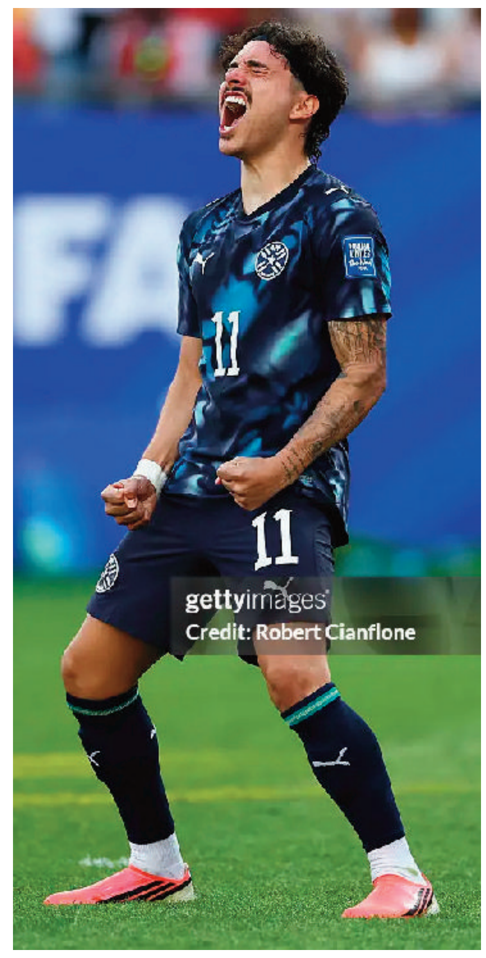

gettyimages Credit: Robert Cianflone

शूटआउट में मोरक्को का जलवा

नीदरलैंड को हराकर अंतिम 16 में एंट्री

डियोप बने संकटमोचक सैबारी ने दिलाई जीत

gettyimages Credit: Buda Mendes

एजेंसी ▶▶| ग्वाडालूप

इस्सा डियोप ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बराबरी का गोल किया जबकि इस्माइल सैबारी ने पेनल्टी शूटआउट में निर्णायक गोल दागा, जिससे मोरक्को ने नीदरलैंड को 3-2 से हराकर अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की।

इससे पहले निर्धारित और अतिरिक्त समय तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी। पेनल्टी शूटआउट में भी चार राउंड के बाद स्कोर 2-2 से बराबर था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने क्रिसेंसियो समरविले के शॉट को अपने बाएं हाथ से रोक दिया। इसके बाद सैबारी ने गोलकीपर बार्ट वर्ब्रुगेन के दूसरी ओर गोता लगाने पर निचले बाएं कोने में विजयी गोल दाग दिया। इस मिडफील्डर ने अपनी शर्ट उतार दी और खुशी से चिल्लाने लगा। इसके बाद उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर दिया और वह जीत का जश्न मनाने लगे। पेनल्टी शूटआउट के दूसरे राउंड में जब मोरक्को 1-0 से पीछे चल रहा था, तब वर्ब्रुगेन ने सोफियान रहीमी के शॉट को रोकने का प्रयास किया, लेकिन गोलकीपर गेंद को पकड़ नहीं पाए और अपने पैर के पिछले हिस्से से उसे गोल लाइन के पार धकेल दिया। मोरक्को शनिवार को ह्यूस्टन में राउंड ऑफ 16 में कनाडा का सामना करेगा।

लुकाकू की फिटनेस पर सस्पेंस

एजेंसी ▶▶| सिएटल

बेल्जियम के लिए सेनेगल के खिलाफ बुधवार को होने वाले विश्व कप फुटबॉल के राउंड ऑफ 32 मैच से पहले स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है। अपने देश की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले 33 वर्षीय लुकाकू पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए विश्व कप से पहले मैत्री मैचों में नहीं खेले थे। मांसपेशियों में खिंचाव के

कारण वह इटली के अपने क्लब नेपोली की तरफ से पिछले सत्र में केवल सात मैच ही खेल पाए थे। लुकाकू ने कहा, 'मैं परिस्थितियों के अनुसार चल रहा हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और यहां आकर खुश हूं। मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं।' लुकाकू ने कहा, 'जब मैं बेंच पर होता हूं तो मेरे पास मैदान पर हो रही हर चीज का विश्लेषण करने के लिए काफी समय होता है। टीम की मदद करना मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।' बेल्जियम अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा था जबकि सेनेगल तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम में जगह बनाकर नॉकआउट राउंड में पहुंचा।

जीत के बाद बेकाबू हुए मोरक्को के फैंस

एजेंसी ▶▶| द हेग

मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फुटबॉल विश्व कप से बाहर कर दिया, जिसके बाद द हेग में फुटबॉल प्रशंसकों की पुलिस से झड़प हुई जबकि कासाब्लांका में जश्न मनाया गया।

नीदरलैंड में मोरक्को के लोगों की काफी बड़ी आबादी है और जीत के बाद मोरक्को फुटबॉल टीम के प्रशंसक जश्न के मूड में थे लेकिन इस दौरान छिटपुट झड़पें भी हुईं। द हेग में पुलिस ने बताया कि शिल्डर्सविज्क हलाके में जबरदस्त आतिशबाजी की गई और पुलिसकर्मियों पर पटाखे और पत्थर फेंके

गए। दंगा रोधी दस्ते ने भीड़ पर धावा बोला और उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की तेज बौछार का इस्तेमाल किया। पुलिस ने कहा, 'हिंसा करने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।'

नॉकआउट में तीसरी बार हारा जापान

ह्यूस्टन। जापान को पहले भी विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में हार से दिल टूटने का अनुभव है और हर बार की तरह इस बार भी उसने अगली बार इससे बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। जापान को पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद पांच बार के चैंपियन ब्राजील से इंजरी टाइम के गोल के कारण 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। उसकी टीम एक बार फिर से आखिर तक डटी रही, लेकिन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यह लगातार तीसरी बार है जब जापान नॉकआउट राउंड में बढ़त बनाने के बावजूद हार गया।

इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत शुरुआत पर भारत की नजर

एजेंसी ▶▶| चेस्टर ली स्ट्रीट

वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरियां इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही 5 मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के लिए चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। आयरलैंड के खिलाफ संजू सैमसन की दोहरी विफलता उन्हें बाहर बैठाने और सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका देने का कारण हो सकती है। अभिषेक को बेलफास्ट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 20 गेंद में 49 रन की पारी के कारण फिर मौका मिल सकता है।

इशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए और 1 तथा 12 रन पर आउट हो गए। इसलिए प्रबंधन सूर्यवंशी को शामिल करने के लिए उन्हें भी बाहर कर सकता है लेकिन वे इस बात पर विचार करेंगे कि ऐसे कदम का बाहर किए गए बल्लेबाज़ के मनोबल पर क्या असर पड़ सकता है।

सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को मौका

आयरलैंड के खिलाफ सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को पदार्पण का मौका दिया, जिससे सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के लिए इंतजार करना पड़ा। हालांकि सिर्फ सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने से भारत की बल्लेबाजी की समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं हो जाएगा क्योंकि इन समस्याओं के कई पहलू हैं। तेज गेंदबाजों की अनुकूल बेलफास्ट की पिच पर कोई भी भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिख रहा था।

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

मैच का समय : भारतीय समयानुसार रात 10 बजे से

जोकोविच ने की अभियान की रोमांचक शुरुआत, यिबिंग वू को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की रोमांचक शुरुआत करते हुए चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर जीत दर्ज की। सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अच्छी सर्विस की और खराब प्रदर्शन भी नहीं किया, लेकिन वह वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से रोक नहीं सके। पहले सेट में दुनिया के 102वें रैंक वाले चीनी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उतनी ही संख्या में अनफोर्स्ड गलतियां भी कीं।

दूसरे सेट की शुरुआत में निर्णायक मोड़

दूसरे सेट की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया। अगर जोकोविच अपने शुरुआती ब्रेक अवसरों में से एक को भुना लेते, तो वह आसानी से नियंत्रित और अपेक्षाकृत सरल जीत की ओर बढ़ सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और वू का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया, जबकि दर्शक जोर-शोर से उनका नाम पुकारते रहे।

gettyimages Credit: Matthew Stockman

जोकोविच ने तीसरा सेट अपने नाम किया

जोकोविच ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया और फिर चौथे सेट में अहम मौकों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाकर विंबलडन के पहले दौर में अपना रिकॉर्ड 21-0 कर लिया। उन्होंने चौथे सेट में छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, जिनमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 से जुड़े तीन मौके भी शामिल थे। आखिरकार उन्होंने तीन घंटे और 11 मिनट में जीत हासिल की।

वू ने मुझ पर काफी दबाव बनाया : जोकोविच

जोकोविच ने कहा, वू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत बड़ी सराहना मिलनी चाहिए। उन्होंने मुझ पर काफी दबाव बनाया। शायद मुझे चौथा सेट हार जाना चाहिए था। ऐसे मैच कुछ ही पॉइंट्स से तय होते हैं। सौभाग्य से मेरे पास 20 साल का अनुभव है जिससे मैं ऐसी परिस्थितियों को संभाल पाता हूं।

FORM NO.17
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR AT
3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Residency Road, South Civil Lines, Jabalpur-482001 (M.P.)
(Jurisdiction MP & CG)
Under Rule 53 of the Second Schedule to the Income Tax Act, 1961 read with the Recovery of Debts & Bankruptcy Act, 1993)
NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION
RC 70/2016
STATE BANK OF INDIA ....Certificate Holder
V/S.
SHRI LING RAJ SAHU ....Certificate Debtors
To,
(CD1) SHRI LING RAJ SAHU VILL KORRA PO LUKAPARA HARAMKELA ILIH SARANGGARH RAIGARH VILL KORRA PO LUKAPARA BARAMKELA TEH SARANGGARH, RAIGARH
(CD2) SHRL DELESHWAR S/O LING RAJ VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (CG.)-496445
(CD3) SHRI BANBAS S/O LING RAJ VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (CG)-496445
(CD4) SHRI GURUCHARAN S/O LING RAJ VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (C.G.) 496445
(CD5) SHRI PRAKASH S/O LING RAJ VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (C.G.)-496445
(CD6) SHRI. UGRASEN S/O LING RAJ VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (C.G.)-496445
(CD7) SHRI SHYAM LAL DEHARI S/O SHRI KHAGO DEHARI VILLAGE-SURUSHL POST NADIGAON, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (C.G.)-496445
(CD8) SHRI. BANSHIDHAR PANDEY S/O SHRI PRABHUDAYAL PANDEY VILLAGE KORRA, POST LUKAPARA, BARAMKELA, TEHSIL-SARANGGARH, RAIGARH (C.G.)-496445
Whereas in execution of Certificate No. OA/59/2015 dated 05-02-2016 passed by this Tribunal in the above mentioned case, it is ordered that the Applicant Certificate Holder Bank is entitled to recover a sum of Rs 77197.00 from defendant no. 1 to 03 and Defendant No. 2 to 6 alongwith Defendant No. 1 are liable to pay a total sum of Rs. 2,96,202.00 and Defendant No. 7 alongwith Defendant No. 1 is liable to pay of Rs. 68,412.00 and Defendant No. 8 alongwith Defendant No. 1 is liable to pay a sum of Rs. 18,59,527.00 alongwith pendentilite and future interest @12% p.a. simple from the date of filing of the Original Application i.e. 11/02/2015 and cost till the date of realization in full, from the Certificate Debtor No 1 to 08 (as above), drawn up by the Presiding Officer, Debts Recovery Tribunal, Jabalpur (MP), the undersigned has ordered the sale of the under mentioned immovable property.
You are hereby informed that the 18-08-2026 at 10.30 a.m. has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are required to bring to the notice of the under signed any encumbrances, charges, claims or liabilities attaching to the said properties or any portion thereof.
Specification of property
01) Property bearing Khasra No. 305/1, 309/2, 363/1, area 1.279 Hect, Khasra No. 9/2, 180/3, 210/2, 257/2, 286/2, 275, 304, 306/2, 321/2, 327, 336/2, 363 and 389 area 5.066 Hect.. and Khasra No. 23, 13/2, 19/1, 20/1, 33/2, 38, 180/1 and 405/3 area 1.343 Hect.. and Khasra No. 18, 20/1, 292/1 and 405/1 Kha area 0.852 Hect., Total area 8 545 Hect., Situated at Village Korra, Patwari Halka No. 31, RI Sairya, Distt. Raigarh (C.G.)
Given under my hand and the seal of the Tribunal on 04/06/2026.
SEAL
(NEELESH KUMAR AWADHIYA)
Recovery Officer

नाम परिवर्तन सूचना
मैं श्रीमती कुन्नथ शोभा चन्द्रन, पति वड़क्के चुंडाईल चन्द्रन, पता मकान सं. 82/1 रेल्वे कॉलोनी, रेल्वे स्टेशन के सामने, तह.व जिला, रायगढ़ (छ.ग.) की निवासी हूँ। यह घोषणाा करती हूँ कि समस्त रेल्वे रिकार्ड और सर्विस शीट में मेरा नाम के.शोभा चन्द्रन, पति वी.सी.चन्द्रन दर्ज है, जिसे त्याग कर नया नाम श्रीमती कुन्नथ शोभा चन्द्रन, पति वड़क्के चुन्डाईल चन्द्रन रख ली हूँ।
अत: मुझे समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेज़ों में मेरे नये नाम कुन्नथ शोभा चन्द्रन, पति वड़क्के चुन्डाईल चन्द्रन के नाम से जाना पहचाना एवं पढ़ा लिखा जावे।
कुन्नथ शोभा चन्द्रन
मो.:93435 26100

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगी स्पर्धा

एशियन गेम्स : टीम इंडिया का ऐलान, हरमनप्रीत कप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद हरमनप्रीत कौर को जापान में होने वाले इस साल के एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा।

महिला चयन समिति ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की है।

भारत ने 2023 में जीता था स्वर्ण पदक

भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगी। उसने 2023 में चीन के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। एशियाई खेलों में पुरुषों और महिलाओं दोनों की क्रिकेट प्रतियोगिता टी20 प्रारुप में खेली जाती है।

यास्तिका बाहर कमलिनी को मौका

स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान बनी रहेंगी। विश्व कप के लिए टीम में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया बाहर होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी जगह कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है। विश्व कप के बीच में टखने की चोट के कारण बाहर होने वाली श्रेयंका पाटिल को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। वह तय समय तक फिट होने पर ही अंतिम टीम में जगह बनाएंगी।

टीम इंडिया 2028 में ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई

भारतीय टीम ने ग्रुप चरण से बाहर होने के बावजूद इस प्रतियोगिता में एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कारण 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम
हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्रीचरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा
भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ सीडीओ, सांतरागाछी, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर मंडल नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट www.ireps.gov.in में ई-निविदा के जरिये खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। पात्र निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उक्त हेतु नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट www.ireps.gov.in पर सिर्फ ऑनलाइन के जरिये आवेदन करें। ऑफलाइन निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण के लिए कृपया दस्तावेज खंड में अपलोड किये गए निविदा दस्तावेज पढ़ें। **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सूचना संख्या: एसआरसी-सी-लिनेन-आउट-010726, दिनांक: 29.06.2026।** **कार्य का नाम:** 02 (दो) वर्षों की अवधि के लिए वातानुकूलित कोचों के गंदे लिनेनों की यांत्रिक धुलाई, धुले हुए लिनेनों की पैकेजिंग तथा सांतरागाछी एवं पद्मपुकुर कोचिंग डिपो की ट्रेनों से तथा तक लदायी एवं उतारना। **निविदा मूल्य:** ₹ 39,35,75,290.70 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** ₹ 21,17,900। **निविदा बंद होने की तारीख:** 24.07.2026 को सुबह 11.30 बजे। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 10,000 (अप्रतिदेय)। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सूचना संख्या: एसआरसी-सी-ओबीएचएस-जीआर1-040726, दिनांक: 29.06.2026।** **कार्य का नाम:** 03 वर्षों की अवधि के लिए सांतरागाछी की ट्रेनों के लिए ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस तथा लिनेन वितरण (ग्रुप 1)। **निविदा मूल्य:** ₹ 67,90,31,547.32 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** ₹ 35,45,200। **निविदा बंद होने की तारीख:** 27.07.2026 को सुबह 11.30 बजे। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 25,000 (अप्रतिदेय)। (PR-399)

फेफड़े, फसल और ग्लेशियर... सब पर भारी पड़ रहा है नया अदृश्य प्रदूषण

नई दिल्ली। देश में वायु प्रदूषण का खतरा अब सिर्फ सर्दियों के स्मॉग तक सीमित नहीं रहा। सीएसई की नई रिपोर्ट में आया कि ग्राउंड-लेवल ओजोन सालभर लोगों की सेहत, खेती और पर्यावरण पर गंभीर असर डाल रहा है। दिल्ली-एनसीआर समेत कई बड़े शहर इस अदृश्य प्रदूषण की चपेट में हैं।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट यानी सीएसई के नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हमारे शहरों की हवा में ग्राउंड-लेवल ओजोन का स्तर तय मानकों को पार कर दिया है। हैरानी वाली बात यह है कि यह जहरीली गैस अब सिर्फ धूप में ही नहीं, बल्कि सूरज ढलने के बाद रात के अंधेरे में भी हवा में घुल रही है। साल 2021 से 2026 के बीच 25 शहरों के डेटा पर किए गए इस रिसर्च में दिल्ली-एनसीआर को देश का सबसे बड़ा ओजोन हॉटस्पॉट पाया गया है। इसके साथ ही चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी इसका लेवल बहुत ही चिंताजनक पाया गया है।

आसमान वाली ओजोन वरदान जमीन वाली जहर

अभी तक हम यह मानते आए हैं कि वायुमंडल के ऊपर हिस्से में मौजूद ओजोन परत सूरज की हानिकारक किरणों से हमें बचाती है। लेकिन, जब यही ओजोन गैस जमीन के पास बनती है, तो यह खतरनाक हो जाती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह गैस सीधे किसी फैक्टरी या गाड़ी से नहीं निकलती, बल्कि जब गाड़ियों और फैक्ट्री से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड और दूसरी गैसें तेज धूप और लगातार बढ़ते तापमान के संपर्क में आती हैं, तो उनके बीच एक रासायनिक रिएक्शन होता है। इसी कारण से गर्मी बढ़ने के साथ इसका खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है।

सीएसई रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

सेहत पर चौतरफा हमला

डॉक्टरों और रिसर्चर्स ने चेतावनी दी है कि ग्राउंड लेवल ओजोन हमारे शरीर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषण में से एक है-

- यह गैस फेफड़ों के टिशू यानी ऊतकों को छील देती है और अस्थमा के मरीजों की हालत गंभीर कर देती है।
- काफी समय तक इस गैस के संपर्क में रहने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक और फेफड़ों की गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।
- अमूमन धूप ढलने के बाद ओजोन कम हो जाती है, लेकिन दिल्ली-NCR और मुंबई जैसे शहरों में अब यह रात के समय भी खतरनाक स्तर पर बनी हुई है।

खेती और पर्यावरण पर भी भारी मार

रिसर्च रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि यह अदृश्य गैस पौधों में होने वाली प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को प्रभावित कर रोक देती है, जिससे फसलों की ग्रोथ रुक जाता है। अनुमान है कि इस प्रदूषण के कारण भारत में गेहूं की पैदावार में हर साल 14 से 15 फीसदी की कमी आ रही है। सिर्फ इतना ही नहीं, शहरों से उड़कर यह गैस हिमालय तक पहुंच रही है, जिससे वहां के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं।

क्या है इसका समाधान?

सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी के मुताबिक अब समय आ गया है, जब सरकार को सिर्फ धूल के कणों को रोकने की रणनीति बदलनी होगी। अब गाड़ियों, फैक्ट्रियों और कचरा जलाने से निकलने वाली गैसों को रोकने के लिए एक कड़ा और कंबाइंड एक्शन प्लान बनाना होगा, तभी देश को इस सालभर रहने वाले अदृश्य खतरे से बचाया जा सकेगा।

रोचक खबरें

जीता-जागता बार्बी है ये लड़का 40 लाख में बन गया डॉल

लंदन। यूके के केंट शहर में रहने वाले 25 साल के मिशेल जोंस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। मिशेल ने सर्जरी के जरिए खुद को 'एलियन बार्बी डॉल' बना लिया है। बचपन से ही बार्बी डॉल्स की दीवानी मिशेल ने अब तक करीब 40 लाख रुपए (30,000 पाउंड) सर्जरी पर खर्च कर दिए हैं। मिशेल पेशे से हेयरड्रेसर हैं। उनका लुक अब बिल्कुल बार्बी डॉल जैसा हो गया है। भारी मेकअप, लंबी झूठी पलकें (4-6 पेयर एक साथ), गुलाबी कपड़े और परफेक्ट चेहरा – यही उनका ट्रेडमार्क है। वे कहते हैं कि सर्जरी से वे अपनी परफेक्शन की कल्पना को हकीकत में बदल रहे हैं। मिशेल ने बताया कि उन्हें सर्जरी का शौक है, क्योंकि वे खुद को कस्टमाइज करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा अपना आइडिया ऑफ परफेक्शन है। लोग सोचते हैं कि सर्जरी सिर्फ असुरक्षा की वजह से करवाई जाती है, लेकिन मेरे लिए यह खुद को बेहतर बनाने का तरीका है।' मिशेल अब 30 साल से पहले फेसलिफ्ट भी करवाने वाले हैं। उनका कहना है कि सर्जरी ने उनकी जिंदगी बदल दी है और वे कभी रुकना नहीं चाहते। यह कहानी दिखाती है कि आजकल लोग अपनी पहचान और लुक को बदलने के लिए कितनी हद तक जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर परफेक्ट लुक का दबाव कई युवाओं को सर्जरी की तरफ ले जा रहा है। मिशेल कहते हैं कि वे खुश हैं और अपनी परफेक्शन की तलाश में हैं। उनका कहना है कि 'आप हमेशा खुद को बेहतर बना सकते हैं।' यह कहानी उन सभी लोगों के लिए है, जो अपनी पहचान तलाश रहे हैं। मिशेल ने दिखा दिया कि सर्जरी से भी अपनी लुक को बदला जा सकता है।

इस शख्स के आगे फेल है फाइटर जेट की आवाज! चीखकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

कैनबरा। क्या आपने कभी सोचा है कि किसी इंसान की आवाज इतनी तेज हो सकती है कि वह फाइटर जेट की आवाज को भी पीछे छोड़ दे? ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के रहने वाले जोसेफ मैकग्राएल-बेटेअप ने कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है, जिन्होंने अपनी भयंकर चीख से खुद का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया है। आमतौर पर लोग अपनी पहचान अपने काम से बनाते हैं, लेकिन जोसेफ अपनी कड़क और गूंजती हुई आवाज के लिए पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहे हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, जोसेफ ने 122.4 डेसिबल (डीबी) की तीव्रता से चिल्लाकर पिछला सारा रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। उनकी यह चीख किसी रॉक कॉन्सर्ट के शोर या टेक ऑफ करते हुए फाइटर जेट की आवाज के बराबर है। जोसेफ का यह रिकॉर्ड उनके प्रोफेशन के लिहाज से बिल्कुल सटीक बैठता है। वे कैनबरा और क्वीन्बीयन के आधिकारिक टाउन क्रायर हैं, और 'लॉर्ड जोसेफ' के नाम से मशहूर हैं। उनका काम ही सार्वजनिक कार्यक्रमों, कार शोज और भारी भीड़ के बीच अपनी आवाज बुलंद करना है। उन्होंने कहा, शुरुआती दिनों में मैं प्रतियोगिताओं में बस जगह बना पाता था, लेकिन 2024 में मैंने 98 डेसिबल की आवाज के साथ पहला स्थान हासिल किया. इसके बाद मैंने कुछ बड़ा करने की सोची।

रिकॉर्ड के लिए चुना खास शब्द

टाउन क्राइंग प्रतियोगिताओं की शुरुआत पारंपरिक रूप से 'ओयेज, ओयेज' कहकर होती है, लेकिन वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए जोसेफ को कुछ अलग करना था। उन्होंने अपनी बेटी के साथ मिलकर महीनों तक रिसर्च की कि किस शब्द को बोलने पर डेसिबल मीटर सबसे ऊपर जाता है। पहले उन्होंने क्वाइट शब्द चुना, लेकिन बात नहीं बनी। आखिर में उन्होंने 'नाउ' शब्द को चुना, जिसने उन्हें विश्व रिकॉर्ड दिला दिया।

तीरंदाजी में भी बना चुके हैं रिकॉर्ड

जोसेफ के लिए गिनीज बुक में नाम दर्ज कराना कोई नई बात नहीं है। वे 2019 में तीरंदाजी में भी एक रिकॉर्ड बना चुके हैं। उन्होंने 18 मीटर की दूरी से 40 सेंटीमीटर के टारगेट पर महज 1 मिनट 0.03 सेकंड में 10 तीर दागने का सबसे तेज रिकॉर्ड बनाया था।

शर्मीले बच्चे से रिकॉर्ड होल्डर बनने का सफर

आज दुनिया के सबसे लाउड व्यक्ति बन चुके जोसेफ बचपन में बिल्कुल इसके उलट थे। उन्होंने बताया कि वे बचपन में बहुत शर्मीले थे और बहुत धीमे बोलते थे। स्कूल के बाद जब उन्होंने थिएटर जॉइन किया, तो बिना माइक के अपनी आवाज को दूर तक पहुंचाने की ट्रेनिंग ली। इसी प्रैक्टिस ने उनकी आवाज को बेहद दमदार बना दिया। आज वे कार शोज में गरजती हुई स्पोर्ट्स कारों से भी ज्यादा तेज आवाज में चिल्ला लेते हैं। हालांकि, कई बार इससे उनका गला भी बैठ जाता है।

ओवन की तरह उबल रहा ब्रिटेन!

भारत के लोग झेल जाते हैं 45 डिग्री, लेकिन 35 डिग्री में ही क्यों पिघल रहा पूरा यूके?

लंदन। इस समय पूरा पश्चिमी यूरोप और ब्रिटेन भीषण गर्मी और खतरनाक हीटवेव की चपेट में हैं। हालात इतने खराब हैं कि स्कूल बंद करने पड़ रहे हैं और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। हैरान करने वाली बात यह है कि ब्रिटेन में तापमान करीब 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। अब भारत के लोग सोच रहे होंगे कि हमारे यहां तो गर्मियों में तापमान आराम से 45 डिग्री के पार चला जाता है, फिर अंग्रेज 35 डिग्री में ही क्यों उबल रहे हैं? आखिर क्यों ब्रिटेन की 35 डिग्री की गर्मी भारत की 45 डिग्री की चुभती धूप से भी ज्यादा जानलेवा और दमघोंटू महसूस हो रही है? इसका जवाब किसी जादू में नहीं, बल्कि मौसम के विज्ञान और वहां के घरों की बनावट में छिपा है।

पहला विलेन हवा में छिपी नमी (ह्यूमिडिटी)

ब्रिटेन चारों तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है, जिसके कारण वहां की हवा में नमी यानी ह्यूमिडिटी बहुत ज्यादा होती है। जब भारत में सूखी गर्मी पड़ती है, तो हमारे शरीर से निकलने वाला पसीना हवा में तुरंत सूख जाता है और हमें ठंडक मिलती है। लेकिन, ब्रिटेन में हवा पहले से ही नमी से भरी होती है, जिससे पसीना सूख ही नहीं पाता। जब पसीना नहीं सूखता, तो शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम काम करना बंद कर देता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यहां का 'वेट-बल्ब' तापमान 25 डिग्री के पास पहुंच रहा है, जो इंसानी शरीर के दिल और फेफड़ों पर भारी दबाव डालता है।

दूसरा विलेन: ओवन की तरह बने ब्रिटिश घर

भारत में घरों को इस तरह बनाया जाता है कि उनमें वेंटिलेशन अच्छा हो, दीवारें मोटी हों और धूप सीधे अंदर न आए। लेकिन, ब्रिटेन के घर इसके बिल्कुल उलट हैं। वहां की इमारतें, कंक्रीट के ब्लॉक्स और ईंटें सर्दियों की कड़ाके की ठंड को रोकने के लिए बनाई जाती हैं। ये घर बाहर की गर्मी को अंदर खींच लेते हैं और रात के समय उसे धीरे-धीरे बाहर छोड़ते हैं। एयर कंडीशनर न होने के कारण ये घर रात के समय किसी 'थर्मल बैटरी' या ओवन की तरह तपते रहते हैं, जिससे लोगों को सोने का मौका भी नहीं मिलता।

मौसम का अचानक करवट बदलना

भारत में गर्मी अचानक नहीं आती. मार्च से लेकर मई-जून तक तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है, जिससे हमारे शरीर, सड़कों और स्वास्थ्य प्रणालियों को इस मौसम में ढलने का पूरा समय मिल जाता है। लेकिन, ब्रिटेन में मौसम ने अचानक पलटी मारी है। मई के महीने तक वहां रात में बर्फ जम रही थी और अचानक जून में तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया। इस अचानक आए बदलाव के लिए वहां के लोगों का शरीर तैयार नहीं था।

लंबे दिन और तपती रातें

जून और जुलाई के महीने में ब्रिटेन में सूरज बहुत देर से डूबता है। दिन लंबे होने के कारण सड़कों, कंक्रीट की इमारतों और डामर को धूप सोखने के लिए कई एक्स्ट्रा घंटे मिल जाते हैं। सूरज डूबने के बाद भी यह गर्मी हवा में घुलती रहती है। जब रात का तापमान 20 डिग्री से ऊपर बना रहता है, तो उसे 'ट्रॉपिकल नाइट' कहा जाता है। ऐसी रातों में इंसानी शरीर दिनभर की थकान और गर्मी से खुद को रिकवर नहीं कर पाता है। यही वजह है कि थर्मामीटर पर भले ही आंकड़ा कम हो, लेकिन ब्रिटेन की यह गर्मी जानलेवा साबित हो रही है।

भारत का वो गांव, जहां आज भी संस्कृत में बात करते हैं लोग

छोटे-छोटे बच्चे भी समझते हैं भाषा!

नई दिल्ली। भारत में लोग अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए कई भाषा का प्रयोग करते हैं। एक समय था जब यहां संस्कृत में ही बातचीत की जाती थी। लेकिन, समय के साथ संस्कृत को मृत भाषा कहकर कई लोगों ने खारिज कर दिया। लेकिन, कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में एक गांव इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर रहा है। इस गांव का नाम है मत्तूर। तुंगा नदी के किनारे बसा यह छोटा सा गांव पूरे भारत में 'संस्कृत गांव' के नाम से प्रसिद्ध है। यहां के निवासी ना सिर्फ संस्कृत समझते हैं, बल्कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे बोलते भी हैं। सबसे हैरानी तो इस बात की है कि गांव में खेलते बच्चे भी आपको संस्कृत में बोलते नजर आ जाएंगे।

रोजमर्रा की भाषा है संस्कृत

इस गांव में संस्कृत का प्रयोग डेली लाइफ में किया जाता है। दुकान पर सामान खरीदते समय दुकानदार और ग्राहक संस्कृत में बात करते हैं। पड़ोसियों से गपशप भी संस्कृत में होती है। बच्चों का खेलना और पढ़ना संस्कृत में होता है। और तो और गांव की पंचायत और सामाजिक कार्यक्रम भी संस्कृत में आयोजित होते हैं। मत्तूर की ख्याति पूरे भारत में फैली हुई है। कई भाषाविद् और संस्कृत प्रेमी यहां आकर अध्ययन करते हैं। सरकार और विभिन्न संस्थाएं भी इस गांव को संस्कृत संरक्षण का प्रतीक मानती हैं। कई पर्यटक खास तौर पर यहां आते हैं ताकि जीवित संस्कृत का अनुभव ले सकें।

गांव की खासियत

मत्तूर में दुकानदार ग्राहकों से, किसान खेतों में, पुजारी मंदिर में और पड़ोसी घरों में संस्कृत में ही बात करते हैं। यहां के बच्चे स्कूल में संस्कृत पढ़ते हैं और खेलते समय भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं। 'नमस्ते' की जगह नमस्कार और कैसे हो की जगह कथम अस्ति जैसी बातें यहां आम हैं। मत्तूर के लोग संस्कृत को अपनी मातृभाषा मानते हैं। गांव में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। स्कूलों में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाया गया है। गांव के बुजुर्ग बच्चों को घर पर भी संस्कृत बोलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। नतीजतन संस्कृत यहां सिर्फ किताबों या मंदिरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवित भाषा बन गई है।

संस्कृत का महत्व

यहां संस्कृत को देवभाषा कहा जाता है। इसमें लिखे गए वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और कई शास्त्र आज भी ज्ञान का खजाना हैं। मत्तूर जैसे गांव साबित करते हैं कि संस्कृत मृत नहीं है। अगर सही तरीके से प्रयास किया जाए तो इसे रोजमर्रा की भाषा बनाया जा सकता है। हालांकि, मत्तूर को भी आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा पीढ़ी शहरों की ओर रुख कर रही है और हिंदी-अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ रहा है। गांव के बुजुर्ग इसे लेकर चिंतित हैं। वे चाहते हैं कि नई पीढ़ी संस्कृत को जीवित रखे।

बेटे को खूब खिलाते थे मां-बाप, वजन हुआ 117 किलो, हार्ट अटैक होते ही ले गई पुलिस

मोटापे की वजह से आई हेल्थ प्रॉब्लम्स ने ले ली जान

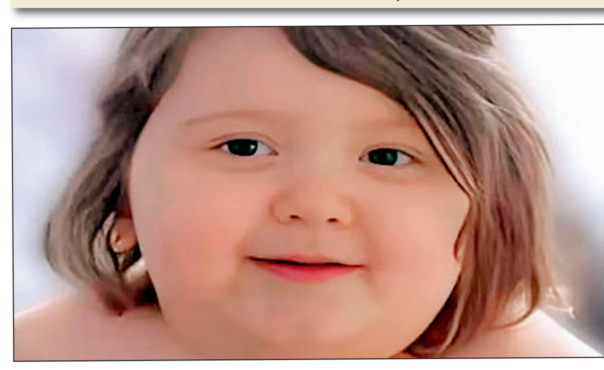

न्यूयार्क। अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक बेहद दुखद और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 7 साल के कैस्पर ओ'ब्रायन नाम के बच्चे की मौत हार्ट फेलियर से हो गई। बच्चे का वजन 117 किलो (255 पाउंड) था। पुलिस के अनुसार माता-पिता ने बच्चे को इतना अधिक खिला-खिलाकर मोटा कर दिया कि उसकी जान चली गई। माता-पिता डेमियन ओ'ब्रायन (40) और जेसिका ओ'ब्रायन (41) पर सेकंड डिग्री मर्डर, चाइल्ड एब्यूज और टॉर्चर के आरोप लगे हैं। पुलिस ने बताया कि बच्चे को डॉक्टर के पास कभी नहीं ले जाया गया। घर में गंदगी का माहौल था। बच्चे की 5 साल की बहन भी मोटी और गंदी हालत में मिली। दोनों बच्चों को स्कूल भी नहीं भेजा गया था।

क्या हुआ था?

पुलिस को 4 नवंबर 2025 को घर से फोन आया कि बच्चे की हालत बिगड़ रही है। कैस्पर को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। डॉक्टर्स ने कारण बताया – 'डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी विद मॉर्बिड ओबेसिटी', यानी मोटापे की वजह से दिल की मांसपेशियां कमजोर हो गई थीं। पुलिस ने घर की तलाशी ली तो वहां गंदगी और होर्डिंग का माहौल था। बच्चे की बहन नंगी घूम रही थी। दोनों बच्चों का कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस और अभियोजक ने बताया कि यह बच्चे पर क्रूरता और उपेक्षा का मामला है। माता-पिता बच्चे को डॉक्टर के पास नहीं ले गए। यह विलफुल नेग्लेक्ट है।

कुत्ते का वेट

मजेदार बात यह है कि कपल ने उसी दिन अपने कुत्ते को वेट के पास ले गए थे, लेकिन बच्चों की देखभाल नहीं की। यह मामला मोटापे, चाइल्ड नेग्लेक्ट और पैरेंटिंग की जिम्मेदारी पर बड़ी बहस छेड़ रहा है। अमेरिका में मोटापा एक बड़ी समस्या है। बच्चे का 117 किलो वजन 7 साल की उम्र में बेहद खतरनाक था। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलिप की जमानत 50,000 डॉलर और जेसिका की 5,20,000 डॉलर तय की गई है। मामले की जांच जारी है। यह घटना उन सभी माता-पिता के लिए चेतावनी है, जो बच्चों की सेहत का ध्यान नहीं रखते। मोटापा सिर्फ दिखावा नहीं, बल्कि जानलेवा बीमारी है। बच्चों को संतुलित आहार और व्यायाम देना जरूरी है।

40 साल तक एक दराज में बंद पड़ा रहा डायनासोर का जीवाश्म

सोचिए कि विज्ञान के इतिहास की सबसे बड़ी और पहली खोजों में से एक, किसी कबाड़ की तरह एक पुरानी दराज में 40 सालों तक धूल फांकती रहे! हां, यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि एक सौ फीसदी सच है। साल 1985 में अंटार्कटिका से एक अजीब सा जीवाश्म खोजा गया था, लेकिन वैज्ञानिक समझ नहीं पाए कि यह क्या है और इसे कैंब्रिज की एक दराज में रख दिया गया। अब जाकर वैज्ञानिकों ने इस पर से पर्दा उठाया है और पुष्टि की है कि यह अंटार्कटिका महाद्वीप पर पाया गया इतिहास का सबसे पहला डायनासोर का जीवाश्म है। यह हड्डी दुनिया के सबसे विशालकाय जीवों में शुमार 'टाइटनोसॉर' की पूंछ की है, जिसने अब विज्ञान की दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। यह अनोखी कहानी साल 1985 की है, जब जेम्स रॉस द्वीप से एक जीवाश्म इकट्ठा किया गया था। उस समय के भूवैज्ञानिक डॉ. माइक थॉमसन ने अपनी फील्ड नोटबुक में इसका एक छोटा सा स्केच बनाया था और इसे 'विशाल रेंगने वाले जीव की रीढ़' बताया था। लेकिन, टीम को सटीक जानकारी नहीं थी, इसलिए इसे ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के कैंब्रिज ऑफिस की एक दराज में संभालकर रख दिया गया। हाल ही में, कलेक्शन मैनेजर डॉ. मार्क इवांस की नजर इस पर पड़ी जब वे हजारों नमूनों की जांच कर रहे थे। उन्होंने इस अजीब हड्डी को देखा और पहचान लिया कि इसका आकार आम समुद्री जीवों से अलग और डायनासोर जैसा है। इस खोज की पुष्टि के लिए नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के प्रोफेसर पॉल बैरेट को बुलाया गया। उन्होंने जैसे ही इस जीवाश्म को अपने हाथों में लिया, वे समझ गए कि यह कोई आम जीव नहीं है। इस हड्डी की बनावट 'बॉल-एंड-सॉकेट' जैसी थी, जो केवल टाइटनोसॉर प्रजाति के डायनासोरों में ही पाई जाती है। टाइटनोसॉर इस धरती पर चलने वाले सबसे विशालकाय शाकाहारी जीव थे।

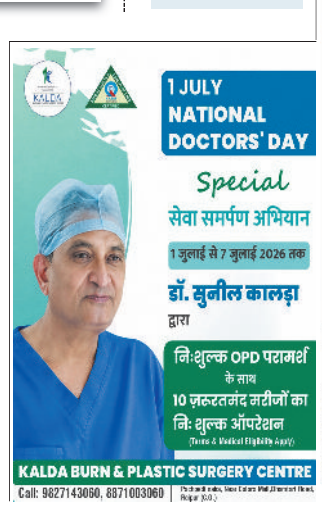

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com